मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 55
बुधवार, 02 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

आतंकवाद के सुरक्षित पनाहगारों को पूरी तरह ध्वस्त करना ही होगा: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 01 सितम्बर। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित एससीओ शिखर सम्मेलन का मंच तैयार था। सामने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बैठे थे, आसपास रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग जैसी शख्सियतें मौजूद थीं। ठीक उसी सभागार में भारतीय पीएम नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद पर कड़ा संदेश दिया।

उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन जो कहा उसे वहां बैठा हर व्यक्ति समझ रहा था कि बात सीमा पार आतंकवाद को पनाह और समर्थन देने वाले किस देश की जा रही थी।

मोदी ने सीमा पार आतंकवाद के समर्थकों को कठघरे में खड़ा करने की वैश्विक सहमति बनाने की अपील की और कहा कि, आतंकवाद के सुरक्षित शरणस्थलों को हमें धवस्त करना होगा और आतंकवाद किसी की रणनीतिक संपत्ति नहीं बन सकता।

पीएम मोदी ने कहा, आतंकवाद के वित्तपोषण, भर्ती, कट्टरपंथ और सुरक्षित ठिकानों के पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त करना होगा। हमें एक स्वर में बोलना होगा कि इस गंभीर विषय पर दोहरे मापदंड के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। जो देश आतंकवाद को अपनी नीति का साधन बनाते हैं और आतंकियों को पनाह व समर्थन देते हैं, उन्हें कड़ा संदेश देना होगा कि आतंकवाद किसी के लिए रणनीतिक संपत्ति नहीं हो सकता। कनेक्टिविटी पर बोलते हुए मोदी ने कहा कि साझा विकास का दूसरा आधार मजबूत और विश्वसनीय संपर्क है। भारत उन प्रयासों का समर्थन करता है जो बाजारों को जोड़ते हैं, व्यापार को आसान बनाते हैं और विकास के नए रास्ते खोलते हैं। लेकिन इन प्रयासों में सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान अत्यंत आवश्यक है। यही एससीओ चार्टर की मूल भावना

भी है। यह टिप्पणी चीन की अगुवाई वाली उन परियोजनाओं की ओर संकेत है जिन पर भारत आपत्ति जताता रहा है, खासकर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में प्रस्तावित कनेक्टिविटी योजनाओं पर। मोदी ने कहा कि आगे कनेक्टिविटी सड़क, रेल और हवाई गलियारों तक सीमित नहीं रहेगी। सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाना, डिजिटल दस्तावेजीकरण बढ़ाना और लाजिस्टिक्स नेटवर्क को अधिक कुशल बनाना भी जरूरी होगा। बताते चलें कि भारत भी एससीओ के देशों के बीच दो अहम कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर काम कर रहा है। वैश्विक संघर्षों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की जुड़ी हुई दुनिया में सुरक्षा की परिधि और व्यापक हो चुकी है। पश्चिम एशिया के संकट ने दिखाया है कि किसी एक क्षेत्र का संघर्ष वहीं तक सीमित नहीं रहता। उसका असर पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर पड़ता है। सबसे अधिक खामियाजा ग्लोबल साउथ के देशों को भुगतना पड़ता है। इसलिए भारत का आह्वान रहा है कि सभी तनावों और युद्धों का समाधान युद्ध के मैदान पर नहीं, संवाद और कूटनीति से ही संभव है। इसी मंच पर बाद में शहबाज शरीफ ने भी भाषण दिया। उन्होंने भी भारत का नाम लिए बिना सिंधु जल समझौते के संदर्भ में निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि, जल इस क्षेत्र की जीवनरेखा है, लाखों लोगों का जीवन इसी पर टिका है और आने वाली पीढ़ी की सुरक्षा भी इससे जुड़ी है।

किसी भी हालत में पानी को राजनीतिक हथियार नहीं बनाना चाहिए। जल संधियों का पालन बिना शर्त होनी चाहिए। भारत ने पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल समझौते को स्थगित रखा है। एक दिन पहले ही इस बारे में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का फैसला पाकिस्तान के समर्थन में आया है, जिसे भी भारत ने खारिज कर दिया है। शरीफ ने मक्का संयुक्त रक्षा समझौते का भी बचाव किया और कहा कि यह किसी देश के खिलाफ नहीं है तथा पूरी तरह रक्षात्मक है।

ट्राले से टकराई तेज रफ्तार पिकअप: पलवल में यूपी के 6 श्रद्धालुओं की मौत, सीएम ने दुख व्यक्त किया

लखनऊ, 01 सितम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को हरियाणा के पलवल में हुए सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश के तीर्थयात्रियों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा, "हरियाणा के पलवल में सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों को हरियाणा सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर हादसे में जान गंवाने वाले उत्तर प्रदेश के नागरिकों के पार्थिव शरीर उनके गृह जनपद पहुंचाकर परिजनों को सौंपने तथा घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा, "प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुख सहन करने की

शक्ति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। पुलिस के अनुसार, हरियाणा में मंगलवार को कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर एक पिकअप वाहन सड़क पर खड़े एक ट्रक से टकरा गया। हादसे में छह तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। पिकअप वाहन में सवार लोग राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर और राज्य के अन्य धार्मिक स्थलों के दर्शन कर लौट रहे थे। इस हादसे में मारे गए और घायल हुए सभी लोग उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले के रहने वाले थे।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को मिली जान से मारने की धमकी, डाक से भेजी गई चिट्ठी

नई दिल्ली। मंगलवार को फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज के केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान को डाक से आए एक पत्र के जरिए जान से मारने की धमकी मिली। पत्र में चेतावनी दी गई थी कि उन्हें जल्द ही कट्टर आतंकवादी मार डालेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, मंत्री के ऑफि स ने केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन को औपचारिक रूप से पत्र लिखकर गृह मंत्रालय को इस धमकी के बारे में जानकारी दी है और उचित कार्रवाई की मांग की है। खबरों के मुताबिक, यह चिट्ठी मंत्री के ऑफिस को मिल गई है और जरूरी सुरक्षा इंतजामों और जांच के लिए इसकी जानकारी गृह मंत्रालय को दे दी गई है। चिट्ठी भेजने वाले या उसके स्रोत के बारे में फि लहाल कोई और जानकारी नहीं मिल पाई है।

'देश में महंगाई और बेरोजगारी बेलगाम', जीडीपी आंकड़ों और बढ़ती महंगाई पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 01 सितम्बर। आर्थिक मोर्चे पर मोदी सरकार की नीतियों को लेकर हमलावर रही कांग्रेस ने पहली तिमाही में जीडीपी विकास दर 7.8 प्रतिशत के आंकड़े पर सवाल उठाया है।

पार्टी ने दावा किया कि मोदी सरकार हकीकत में जनता को निरंतर महंगाई का जोरदार झटका दे रही है तो दूसरी ओर आर्थिक विकास से जुड़े आंकड़ों की बाजीगरी कर देश को गुमराह कर रही है।

पहली तिमाही के जीडीपी विकास दर में हेर-फेर का आरोप लगाते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि बार-बार मेथडोलॉजी बदलकर मोदी सरकार जीडीपी के आंकड़ों को अपने हिसाब से सेट कर रही है जबकि भारत की बदहाल आर्थिक हकीकत

को छिपाया जा रहा है।

वास्तविकता में रसोई महंगी करने से लेकर आम आदमी से घर बनाने का सपना भी छीना जा रहा है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पहली तिमाही की जीडीपी दर पर पीएम मोदी के खुशी जताने पर जवाबी वार करते हुए एक्स पोस्ट में कहा, आप कह रहे हैं कि देश जीडीपी ग्रोथ का जश्न मना रहा है। आपके पास यह सुविधा हो, लेकिन आम आदमी के पास नहीं है। आम लोग तीन 'यू' असाधारण बेरोजगारी, असहनीय महंगाई और बेलगाम असमानता के बोझ तले दबे हैं और इसके जिम्मेदार आप हैं। बेरोजगारी 50 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर है। 40 प्रतिशत युवा ग्रेजुएट बिना नौकरी के हैं। जुलाई 2026 में 15 से 29 साल की उम्र के हर छह में से एक युवा बेरोजगार था। हर साल दो करोड़ नौकरियों का वादा टूट चुका है। खरगे ने कहा कि चीनी, प्याज, टमाटर, दाल, खाद्य तेल , चावल, दूध तथा रसोई की हर जरूरी चीज महंगी हो गई है। पेट्रोल-डीजल, एलपीजी-सीएनजी गैस महंगाई के कारण खरीदना मुश्किल हो गया है जिससे मिडिल क्लास परिवार किसी तरह गुजारा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और गरीबों ने तो उम्मीद छोड़ दी है और असमानता ब्रिटिश शासन से भी बदतर है।

देशभर में पेपर लीक प्रदर्शन की एफआईआर रद्द, सुप्रीम कोर्ट के आर्टिकल 142 का उपयोग

नई दिल्ली, 01 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उन प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज FIR रद्द कर दीं, जिन्होंने कथित पेपर लीक के खिलाफ हाल ही में देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लिया था। कोर्ट ने प्रदर्शनकारी छात्रों को राहत देने के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल किया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच द्वारा पारित इस आदेश में दिल्ली, असम, पश्चिम बंगाल और बिहार में विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में छात्रों के खिलाफ दर्ज FIR शामिल हैं।चीफ जस्टिस ने कहा कि 20 से 25 जुलाई के बीच दिल्ली में जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में हजारों छात्रों ने प्रदर्शनों में हिस्सा लिया था। कोर्ट के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने विरोध प्रदर्शनों के

सिलसिले में कुल 13 FIR दर्ज की थीं। उखक ने कहा कि 20 से 25 जुलाई तक, हजारों छात्रों ने जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। पुलिस ने कुल 13 FIR दर्ज कीं। हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि यह राहत उन लोगों को नहीं मिलेगी जिनका पहले से कोई आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। दिल्ली पुलिस उन 2,873 लोगों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखेगी जिनके खिलाफ पहले से आपराधिक मामले दर्ज हैं या जिनका आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हमें बताया गया है कि दिल्ली पुलिस उन 2,873 लोगों के खिलाफ नई FIR दर्ज करेगी जिनका आपराधिक रिकॉर्ड रहा है।

इसके अलावा कोई नई FIR दर्ज नहीं की जाएगी। सुनवाई के दौरान, सॉलिसिटर जनरल ने अनुरोध किया कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए भी इसी तरह का निर्देश जारी किया जाए। चीफ जस्टिस ने संकेत दिया कि कोर्ट यह सुनिश्चित करेगा कि इस आदेश के दायरे में आने वाले छात्रों के खिलाफ सिर्फ.इसलिए कोई और कार्रवाई न हो कि कोई FIR कोर्ट के ध्यान में नहीं लाई गई थी। CJI सूर्यकांत ने कहा कि अगर किसी राज्य में कोई ऐसी FIR है जिसकी जानकारी हमारे सामने नहीं लाई गई है, तो राज्य उसे रद्द करने के अनुरोध का विरोध नहीं करेगा। सुप्रीम कोर्ट के इस दखल से विरोध प्रदर्शनों में शामिल छात्रों को बड़ी राहत मिली है, लेकिन जिनका आपराधिक रिकॉर्ड पहले से है, उन्हें इससे अलग रखा गया है।

शिवपुरी को 17.50 करोड़ से अधिक की विकास सौगातें, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और सड़क सुविधाओं को मिली नई गति: ज्योतिरादित्य सिंधिया

शिवपुरी, 01 सितम्बर। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज शिवपुरी प्रवास के दौरान क्षेत्र को 17.50 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने अनुसूचित जाति के 50-सीटर प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास, तानपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिंहनिवास विद्युत उपकेन्द्र और थर्रा उपतहसील का लोकार्पण किया। साथ ही नगर पालिका की विभिन्न सड़कों तथा सिंहनिवास में सरकारी मिडिल स्कूल भवन के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। केन्द्रीय मंत्री ने 4.99 करोड़ की लागत से निर्मित अनुसूचित जाति के 50-सीटर प्री-

मैट्रिक बालक छात्रावास का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर मानते थे कि शिक्षा सामाजिक सशक्तिकरण का सबसे बड़ा माध्यम है। इसी भावना के साथ यह छात्रावास बच्चों को बेहतर शिक्षा, सुविधाओं और व्यक्तित्व विकास का वातावरण उपलब्ध कराएगा, जिससे वे अपने सपनों को नई उड़ान दे सकेंगे। इसके बाद केन्द्रीय मंत्री ने तानपुर में 2.95 करोड़ की लागत से निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और सिंहनिवास में 2.77 करोड़ की लागत से निर्मित विद्युत उपकेन्द्र का लोकार्पण किया। सिंधिया ने विश्वास व्यक्त किया कि इन परियोजनाओं से क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं तथा अधिक सुदृढ़ और विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। केन्द्रीय मंत्री ने नगर पालिका की विभिन्न सड़कों के 5 करोड़ के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही सिंहनिवास में 51 लाख की लागत से बनने वाले सरकारी मिडिल स्कूल भवन तथा ठर्रा में 1.24 करोड़ की लागत से निर्मित उपतहसील का लोकार्पण किया।

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा ताई अजित पवार से मिला जैन समाज का प्रतिनिधिमंडल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राकांपा (अजित पवार गुट) के महाराष्ट्र प्रदेश महासचिव व पूर्व राज्य मंत्री डॉ आसिफ शेख के मार्गदर्शन एवं श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ के उपाध्यक्ष संजय शाह के नेतृत्व में जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल ने महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा ताई अजित पवार से भेंट कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर जैन समाज की शैक्षणिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ प्रस्तावित जैन शिक्षा संकुल के लिए भूमि उपलब्ध कराने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल में जैन अल्पसंख्यक सेवा संस्था की महिला अध्यक्ष अल्पा शाह, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार राजदूत संगठन के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष एवं 'लंदन हेराल्ड' के भारत संस्करण प्रमुख राजेश उपाध्याय, युवा समाजसेवी पंकज उपाध्याय सहित समाज के विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने जैन समाज द्वारा शिक्षा, संस्कार, सामाजिक सेवा तथा युवा पीढ़ी के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी उपमुख्यमंत्री को दी। इस अवसर पर संजय शाह ने कहा कि जैन समाज की ओर से एक भव्य जैन शिक्षा संकुल स्थापित करने की योजना है, जिसमें छात्र-छात्राओं के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त बड़े छात्रावास की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। इस संकुल के माध्यम से जैन धर्म के सिद्धांतों, भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह एवं करुणा के संदेश तथा आधुनिक उच्च शिक्षा को साथ लेकर नई पीढ़ी को संस्कारयुक्त एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जैन शिक्षा संकुल केवल एक भवन नहीं, बल्कि जैन संस्कृति, संस्कार और ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम होगा। हमारा उद्देश्य है कि यहां से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी देश-विदेश में अपनी प्रतिभा के माध्यम से भारत और जैन समाज का नाम रोशन करें तथा भगवान महावीर के अहिंसा और शांति के संदेश को विश्वभर में आगे बढ़ाएं। श्री शाह ने कहा कि जैन समाज मुंबई, महाराष्ट्र तथा देश की अर्थव्यवस्था में लंबे समय से महत्वपूर्ण योगदान देता आया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में समाज के उद्यमी, युवा एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग मेक इन इंडिया, स्वच्छ भारत अभियान और स्टार्टअप इंडिया जैसी राष्ट्र निर्माण की

पहलों में भी सक्रिय योगदान दे रहे हैं। उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा ताई अजित पवार ने जैन समाज की शैक्षणिक एवं सामाजिक पहलों की सराहना करते हुए प्रस्तावित जैन शिक्षा संकुल सहित समाज के विभिन्न सकारात्मक प्रयासों में सहयोग एवं सकारात्मक मार्गदर्शन देने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल ने आगामी सामाजिक एवं सम्मान समारोह की जानकारी भी उपमुख्यमंत्री को दी। समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली नारी शक्ति एवं विशिष्ट व्यक्तित्वों का सम्मान किया जाएगा। साथ ही जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीनों का वितरण कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि शिक्षा, संस्कार, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सेवा और राष्ट्र निर्माण के माध्यम से जैन समाज आने वाली पीढ़ियों को मजबूत बनाने के साथ-साथ अहिंसा परमो धर्मः के संदेश को व्यापक स्तर पर जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

पीसीएसएफ की मांग पर बिहार सीएम सम्राट चौधरी ने 3 माह में माटी कला बोर्ड गठन का दिया आश्वासन

प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन के अध्यक्ष राजेश प्रजापति ने पॉटरी एवं मूर्तिकला के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता संस्थान की स्थापना की रखी थी मांग

पटना, 2 सितम्बर (उत्तरशक्ति)। प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन (PCSF) ने बिहार में प्रजापति/ कुम्हार समुदाय के पारंपरिक माटी कला व्यवसाय को बढ़ावा देने तथा कारीगरों को आधुनिक प्रशिक्षण और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए माटी कला बोर्ड के गठन और पॉटरी एवं मूर्तिकला के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता संस्थान स्थापित करने की मांग उठाई है।

विगत 23 अगस्त को पटना में आयोजित आभार सभा में PCSF के अध्यक्ष राजेश प्रजापति ने संयोजक एल.सी. राठौड़ के साथ बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बिहार में माटी कला बोर्ड के गठन के साथ-साथ पॉटरी एवं मूर्तिकला के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर का उत्कृष्टता संस्थान स्थापित करने की मांग की गई।

PCSF के अनुसार, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने माटी कला बोर्ड के गठन की मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए अगले तीन महीनों के भीतर बिहार में माटी कला बोर्ड के गठन की घोषणा की। वहीं, पॉटरी और मूर्तिकला के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता संस्थान की स्थापना के प्रस्ताव पर भी उन्होंने सकारात्मक रुख जताया और इस संबंध में PCSF के राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ व्यक्तिगत बैठक करने का निमंत्रण दिया। यह कार्यक्रम बिहार कुम्हार (प्रजापति) समन्वय समिति द्वारा अमर शहीद रामचंद्र विद्यार्थी शहादत दिवस एवं एमएलसी सम्मान समारोह के अवसर पर आयोजित किया गया था। समारोह में प्रजापति/ कुम्हार समुदाय के 5 हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया। इस दौरान समुदाय से नवनिर्वाचित एमएलसी शीला पंडित और शिवरानी प्रजापति का भी सम्मान किया गया।

PCSF अध्यक्ष राजेश प्रजापति ने कहा कि बिहार में माटी कला बोर्ड के गठन की मांग को लेकर संगठन ने बिहार कुम्हार (प्रजापति) समन्वय समिति सहित समुदाय के विभिन्न संगठनों के साथ मिलकर लगातार प्रयास किया। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा मांग को स्वीकार किए जाने को समुदाय के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

PCSF के संयोजक एल.सी. राठौड़ ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन के वित्तीय सहायता कार्यक्रम (FAP) की भी जानकारी दी गई और विद्यार्थियों से इसका लाभ लेने के लिए पंजीकरण करने का आह्वान किया गया। उन्होंने कहा कि संस्था शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और व्यापार नेटवर्किंग के क्षेत्र में समुदाय के विकास के लिए कार्य कर रही है।

प्रजापति/कुम्हार समुदाय लंबे समय से मिट्टी के बर्तन, टेराकोटा और मूर्तिकला जैसे पारंपरिक कार्यों से जुड़ा रहा है। आधुनिक तकनीक एवं बुनियादी सुविधाओं की कमी, सीमित बाजार, पारंपरिक आजीविका में गिरावट तथा शिक्षा और कौशल विकास के सीमित अवसरों जैसी चुनौतियों को देखते हुए समुदाय के लिए संगठित संस्थागत सहयोग की आवश्यकता बताई गई। PCSF का कहना है कि माटी कला बोर्ड के माध्यम से कारीगरों को सरकारी योजनाओं, प्रशिक्षण और बाजार से जोड़ने में मदद मिल सकती है, जबकि राष्ट्रीय उत्कृष्टता संस्थान के माध्यम से पॉटरी एवं मूर्तिकला में आधुनिक तकनीक, डिजाइन और कौशल प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया जा सकेगा।

प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन की स्थापना 18 अप्रैल 2024 को हुई थी। संस्था कंपनी अधिनियम की धारा 8 के तहत पंजीकृत धर्मार्थ संगठन है। फाउंडेशन के अनुसार उसका वित्तीय सहायता कार्यक्रम (FAP) पूरे भारत में संचालित है और अब तक 64 जरूरतमंद एवं मेधावी विद्यार्थियों को सहायता प्रदान की जा चुकी है।

दुनिया जब बुरे दौर में है तब भारत के आर्थिक उजाले

-ललित गर्ग

दुनिया आज जिस दौर से गुजर रही है, वह आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टियों से असाधारण चुनौतियों का दौर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने दुनिया की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के सामने कठिन प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत की अर्थव्यवस्था ने जिस मजबूती का परिचय दिया है, वह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलते भारत की सामर्थ्य का प्रमाण है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत को ऐसी उम्मीद के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसकी ओर दुनिया आश्चर्य और विश्वास दोनों के साथ देख रही है। इस विकास दर ने वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारत की आर्थिक शक्ति और आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दी है एवं एक उजाला बिखेरा है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वृद्धि ऐसे समय दर्ज हुई है, जब परिस्थितियां सामान्य नहीं थीं। महंगाई, ऊर्जा संकट, भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास पथ मजबूत बना रहा। पिछले वर्ष इसी तिमाही में विकास दर 6.9 प्रतिशत थी। यानी एक वर्ष में आर्थिक वृद्धि की गति में उल्लेखनीय सुधार दिखाई दिया है। घरेलू मांग की मजबूती, सरकारी पूंजीगत व्यय, विनिर्माण, निर्माण और निर्यात जैसे क्षेत्रों का योगदान इस प्रदर्शन के पीछे महत्वपूर्ण रहा है।

आर्थिक विकास का वास्तविक अर्थ तभी समझ में आता है, जब उसे उसके वैश्विक संदर्भ में देखा जाए। आज दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं केवल आर्थिक नीतियों से प्रभावित नहीं हो रहीं, बल्कि युद्ध, कूटनीतिक तनाव, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक संबंध भी उनकी दिशा तय कर रहे हैं। अमेरिका और चीन के बीच आर्थिक एवं रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। पश्चिम एशिया का तनाव ऊर्जा बाजार और वैश्विक आपूर्ति तंत्र के लिए चिंता पैदा करता है। इन परिस्थितियों में भारत का अपेक्षाकृत तेज आर्थिक विकास यह संकेत देता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपने लिए ऐसे मजबूत घरेलू आधार तैयार किए हैं, जो बाहरी झटकों को सहने की क्षमता रखते हैं। यही वह परिवर्तन है जो भारत को केवल एक बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे ले जा रहा है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल घरेलू बाजार है। करोड़ों उपभोक्ताओं की मांग, बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार, बुनियादी ढांचे पर निवेश और बदलती उपभोग संस्कृति ने अर्थव्यवस्था को आंतरिक गति प्रदान की है। जब वैश्विक बाजार अनिश्चित हों, तब घरेलू मांग अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षा-कवच का काम करती है। इसीलिए वर्तमान विकास दर में घरेलू मांग की मजबूती को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए।

इस आर्थिक प्रदर्शन की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी है कि वृद्धि केवल एक क्षेत्र के सहारे नहीं टिकी है। विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि इस बात का संकेत है कि भारत धीरे-धीरे उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। लंबे समय तक भारत की अर्थव्यवस्था को मुख्यतः सेवा क्षेत्र की शक्ति के रूप में देखा जाता रहा, लेकिन अब देश में उत्पादन बढ़ाने, घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन देने और बुनियादी ढांचे के विस्तार की दिशा में किए गए प्रयासों से औद्योगिक क्षेत्र के लिए नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। निर्माण क्षेत्र भी रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सड़कें, रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डे, आवास, औद्योगिक गलियारे और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश का प्रभाव केवल आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों में नहीं दिखाई देता, बल्कि उससे भविष्य की आर्थिक क्षमता भी निर्मित होती है।

भारत की वर्तमान आर्थिक यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई नीतियों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले वर्षों में सरकार ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन, विनिर्माण, नए उद्यम, आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर लगातार जोर दिया है। जनधन खातों से लेकर डिजिटल भुगतान तक और राजमार्गों से लेकर रेलवे के आधुनिकीकरण तक, आर्थिक गतिविधियों का एक व्यापक तंत्र तैयार हुआ है। वस्तु एवं सेवा कर ने देश के बड़े बाजार को अधिक एकीकृत करने में भूमिका निभाई है। दिवाला एवं दिवालियापन संहिता जैसी व्यवस्थाओं ने कारोबारी वातावरण को अधिक व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने अनेक क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन और निवेश को बढ़ावा दिया है। इन नीतियों का वास्तविक मूल्यांकन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से होना चाहिए। सकल घरेलू उत्पाद के ताजा आंकड़े इस दिशा में एक सकारात्मक संकेत अवश्य देते हैं।

आम नागरिक के लिए आर्थिक विकास का अर्थ तभी सार्थक है, जब उसके जीवन में रोजगार के अवसर बढ़ें, आय में वृद्धि हो, महंगाई नियंत्रित रहे, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर हों तथा जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार आए। सकल घरेलू उत्पाद हमें अर्थव्यवस्था की गति बताता है, लेकिन यह नहीं बताता कि उस विकास का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक किस प्रकार पहुंच रहा है। इसलिए भारत की अगली चुनौती तेज विकास से आगे बढ़कर गुणवत्तापूर्ण और समावेशी विकास सुनिश्चित करना है। आर्थिक विकास की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी रोजगार है। विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र का विस्तार इसलिए आशाजनक है क्योंकि ये बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने की क्षमता रखते हैं। लेकिन भविष्य में भारत को ऐसे उद्योगों की आवश्यकता होगी, जो बड़ी संख्या में युवाओं को सम्मानजनक और स्थायी रोजगार दे सकें। भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यदि उसे कौशल, शिक्षा, तकनीक और रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलते हैं तो यही युवा शक्ति भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी ऊर्जा बन सकती है।

भारत का लक्ष्य केवल आत्मनिर्भर बनना नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में नेतृत्वकारी भूमिका निभाना होना चाहिए। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से अलग होना नहीं, बल्कि अपनी क्षमताओं को इतना मजबूत करना है कि भारत वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सके। आज दुनिया चीन के विकल्प के रूप में विभिन्न उत्पादन केंद्रों की तलाश कर रही है। भारत के पास विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, तकनीकी क्षमता और लोकतांत्रिक व्यवस्था जैसी विशिष्ट ताकतें हैं। यदि भारत विनिर्माण, अर्धचालक, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष तकनीक और उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं में अपनी क्षमता बढ़ाता है, तो वह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में कहीं अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है। 2047 का विकसित भारत केवल सरकार का संकल्प नहीं, बल्कि देशवासियों की सामूहिक आकांक्षा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर इस यात्रा में एक उत्साहजनक पड़ाव है, मंजिल नहीं। भारत को लगातार उच्च विकास दर, मजबूत वित्तीय व्यवस्था और स्थिर आर्थिक वातावरण के साथ-साथ बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि उत्पादकता, कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा पर भी समान ध्यान देना होगा।

भारत की आर्थिक कहानी अब केवल आंकड़ों की कहानी नहीं रह गई है। यह आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की कहानी बन रही है। दुनिया जब युद्ध और आर्थिक अस्थिरता की छाया में अपनी दिशा तलाश रही है, तब भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन उसे एक भरोसेमंद और संभावनाशील शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर निश्चित रूप से भारत के लिए गर्व का विषय है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि भारत ने यह संदेश दिया है कि वैश्विक संकटों के बीच भी उसकी आर्थिक बुनियाद मजबूत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही आर्थिक नीतियों और योजनाओं को अब अगले चरण में अधिक रोजगार, अधिक निवेश, अधिक उत्पादन और अधिक समान अवसरों से जोड़ना होगा। भारत के आर्थिक आकाश पर उगता यह उजाला तभी स्थायी प्रकाश बनेगा, जब विकास की रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के जीवन तक पहुंचे। यही 2047 के विकसित भारत की वास्तविक कसौटी होगी और यही आर्थिक शक्ति को जनशक्ति में बदलने का मार्ग भी।

त्योहारों की दहलीज पर महंगाई का तांडव और लाचार जनता का मौन रुदन

अशोक भाटिया

भारत में त्योहारों का आगमन अब आम इंसान के लिए उल्लास का संदेश कम, और मानसिक प्रताड़ना का सबब ज्यादा लेकर आता है। देश की बहुसंख्यक आबादी, जो हर सुबह अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए हाड़-तोड़ संघर्ष करती है, उसके लिए त्योहारी सीजन एक ऐसी आर्थिक भूलभुलैया बन गया है जहां से बिना कर्जदार बने निकलना नामुमकिन है। यह कैसी विडंबना है कि जैसे ही देश गणेशोत्सव, दुर्गा पूजा और दीपावली की तरफ बढ़ता है, वैसे ही जमाखोरों, बिचौलियों और बाजार के सटोरियों का सिंडिकेट सक्रिय हो जाता है। वे जनता की थाली को बंधक बना लेते हैं और देश का प्रशासनिक तंत्र गहरी, कुंभकर्णी नींद में सोया रहता है। जब आम आदमी की जेब पूरी तरह कट जाती है, तब जाकर सरकारी महकमों की कागजी फाइलें हिलती हैं। यह स्थिति केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के उस मूल चरित्र पर एक गहरा धब्बा है जो खुद को 'लोककल्याणकारी' कहने का दम भरती है।

आज देश में महंगाई के जो जमीनी हालात हैं, वे सरकारी बयानों और सांख्यिकी मंत्रालयों द्वारा जारी की जाने वाली रिपोर्टों को सरेआम खारिज करते हैं। सरकार की आर्थिक नीतियों की पोल खोलने के लिए देश की खुदरा महंगाई दर के हालिया आंकड़े ही काफी हैं। जुलाई 2026 में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.45 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई, जबकि खाद्य महंगाई दर ने 5.52 फीसदी की डराने वाली छलांग लगाई है। यह सरकारी आंकड़ों का वो हिस्सा है जो एयर-कंडीशनर कमरों में बैठकर तैयार किया जाता है, लेकिन जब आप वास्तविक बाजार में कदम रखते हैं, तो यह महंगाई दर दोगुनी और तिगुनी महसूस होती है। सब्जियों के मोर्चे पर तो जैसे आग लगी हुई है। टमाटर जैसी बुनियादी सब्जी की कीमतें जहां 48 फीसदी से ज्यादा की दर से भाग रही हैं, वहीं बेमौसम बारिश और भीषण गर्मी के बहाने प्याज की खुदरा कीमतें 65 से 70 रुपये प्रति किलोग्राम को पार कर चुकी हैं। एक आम परिवार जो महीने की शुरुआत में राशन का बजट बनाता है, वह महीने के मध्य तक आते-आते अपनी ही रसोई में कटौती करने को मजबूर हो जाता है। यह कैसी तरक्की है जहां देश का नागरिक त्योहारों पर अपने बच्चों का मुंह मीठा कराने के लिए भी अपनी बुनियादी प्राथमिकताओं का गला घोंटने पर मजबूर है?

इस पूरे संकट में सरकार का जो रवैया रहा है, वह बेहद संवेदनहीन और निराशाजनक है। केंद्रीय मंत्रियों और प्रशासनिक सचिवों के बयान आते हैं कि बाजार में वस्तुओं की कोई कमी नहीं है, पर्याप्त बफर स्टॉक मौजूद है। लेकिन जनता यह पूछने का हक रखती है कि यदि बफर स्टॉक मौजूद है, तो वह आम उपभोक्ता की पहुंच से दूर क्यों है? वह कौन सा अदृश्य हाथ है जो सरकारी गोदामों से राशन को गायब करके बिचौलियों की तिजोरियों में पहुंचा देता है? अभी हाल ही में सरकारी स्तर पर माना गया कि प्याज की कीमतों में यह बेतहाशा बढ़ोतरी कालाबाजारी, जमाखोरी और मुनाफाखोरी के कारण हो रही है। यह स्वीकारोक्ति अपने आप में एक बड़ा तमाचा है उस प्रशासनिक तंत्र पर, जिसके पास जमाखोरों को जेल की सलाखों के पीछे भेजने के लिए असीमित कानूनी अधिकार और पुलिस बल मौजूद हैं। जब सरकार खुद मान रही है कि बिचौलिए और मुनाफाखोर खुलेआम लूट मचा रहे

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

हैं, तो फिर उनके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून या सख्त आपराधिक धाराओं के तहत कार्रवाई क्यों नहीं होती? क्यों हर बार त्योहारों से ठीक पहले इन जमाखोरों को खुली छूट दे दी जाती है कि वे जनता की बेबसी का फायदा उठाकर अरबों रुपये का वारा-न्यारा कर लें?

बाजारवाद और कॉर्पोरेट परस्त नीतियों ने देश के पूरे आर्थिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर दिया है। आज का बाजार 'फ्री मार्केट' के नाम पर एक ऐसी अनियंत्रित लाठ बन चुका है, जिससे केवल गरीब और मध्यम वर्ग को हांका जा रहा है। त्योहारों के इस सीजन में बड़े-बड़े शॉपिंग मॉल और ई-कॉमर्स वेबसाइट्स पर 'महासेल' और 'त्योहारी छूट' के लुभावने विज्ञापनों की बाढ़ आई हुई है। लेकिन यह चमक-दमक केवल एक छलावा है, जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों और बड़े व्यापारियों की जेबें भरने के लिए रची गई है। जमीनी हकीकत यह है कि वाणिज्यिक रसोई गैस के दाम आसमान छू रहे हैं, परिवहन और माल ढुलाई की लागतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इस महंगे परिवहन तंत्र का सीधा बोझ अंततः उस अंतिम उपभोक्ता पर पड़ता है, जिसकी क्रय शक्ति पहले से ही घटी हुई है। जब देश की एक बड़ी आबादी की वास्तविक मजदूरी में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हो रहा हो, और उसके विपरीत रोजमर्रा के खर्चों में 15 से 20 फीसदी की मासिक बढ़ोतरी हो रही हो, तो समाज में आर्थिक असंतोष का पनपना लाजिमी है।

इस व्यवस्था की सबसे बड़ी विडंबना इसके दोहरे मापदंडों में छिपी है। भारत एक कृषि प्रधान देश होने का गौरव गान गाते नहीं थकता। हमारे नीति-निमार्ता हर मंच से किसानों की आय दोगुनी करने और उपभोक्ताओं को सस्ती दरों पर भोजन उपलब्ध कराने के लंबे-चौड़े दावे करते हैं। लेकिन हकीकत में, इस देश का किसान और उपभोक्ता दोनों एक ही सिक्के के दो पीड़ित पहलू हैं। जब खेतों में प्याज या टमाटर की बंपर पैदावार होती है, तो बाजार के बड़े सटोरिये और आढ़ती कौड़ियों के दाम पर किसानों की फसल खरीद लेते हैं। उस समय किसान को अपनी लागत तक नहीं मिलती और वह अपनी उपज को सड़कों पर फेंकने या आत्महत्या करने को मजबूर हो जाता है। लेकिन जैसे ही वह फसल किसान के हाथों से निकलकर इन बड़े आढ़तियों के कोल्ड स्टोरेज और गोदामों में बंद हो जाती है, वैसे ही बाजार में 'कृत्रिम किल्लत' पैदा कर दी जाती है। कुछ ही हफ्तों के भीतर, वही प्याज जो किसान से 10 रुपये किलो खरीदा गया था, उपभोक्ता को 65 रुपये किलो बेचा जाने लगता है। बीच का यह 55 रुपये का मुनाफा न तो देश के सकल घरेलू उत्पाद में कोई सकारात्मक योगदान देता है और न ही किसान के घर में खुशहाली लाता है। यह पूरा पैसा उस सफेदपोश माफिया की जेब में जाता है जो राजनीतिक व्यवस्था को चंदे के दम पर नियंत्रित करता है।

यह सवाल भी बेहद मौजूं है कि आखिर देश का मध्यम वर्ग इस क्रूरता को कब तक खामोशी से सहता रहेगा? आज का मध्यम वर्ग टैक्स चुकाने के मामले में सबसे आगे खड़ा है। वह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष टैक्स के रूप में अपनी गाढ़ी कमाई का एक बड़ा हिस्सा सरकार को सौंपता है, लेकिन जब उसे सुरक्षा, राहत या आर्थिक संरक्षण की जरूरत होती है, तो उसे पूरी तरह लावारिस छोड़ दिया जाता है। त्योहारों की खुशियों को संजोने के लिए आज का आम इंसान बैंकों से 'पर्सनल लोन' ले रहा है या अपनी क्रेडिट कार्ड की सीमाओं को लांघ रहा है। उपभोक्ता संस्कृति के इस दौर में कर्ज लेकर त्योहार मनाना एक मजबूरी बन गया है, जो आने वाले महीनों में उस परिवार को और गहरे आर्थिक गर्त में धकेल देता है। सरकारें हर साल बड़ी बेशर्मी से त्योहारों के बाद यह दावा पेश कर देती हैं कि इस बार रिकॉर्ड तोड़ व्यापार हुआ, जिससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। लेकिन वे यह कभी नहीं बतातीं कि इस रिकॉर्ड तोड़ व्यापार के पीछे जनता का कितना खून-पसीना बहा है और कितना हिस्सा कर्ज की बुनियाद पर खड़ा था।

अब समय आ गया है कि जनता की इस लाचारी को केवल भाग्य का फेर मानकर छोड़ना बंद किया जाए। यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं है, यह पूरी तरह से एक 'मानव-निर्मित और नीति-जनित' संकट है। यदि सरकार वाकई इस देश के नागरिकों के प्रति जवाबदेह है, तो उसे अपनी आर्थिक नीतियों की दिशा बदलनी होगी। केवल कागजी समीक्षा बैठकों और बफर स्टॉक जारी करने के बयानों से बाजार की आग नहीं बुझने वाली। जमाखोरी और सट्टेबाजी के खिलाफ राज्यों और केंद्र सरकार को मिलकर एक राष्ट्रव्यापी, कठोर अभियान चलाना होगा। आवश्यक वस्तु अधिनियम को और अधिक कड़ा बनाकर फास्ट-ट्रैक अदालतों के जरिए मुनाफाखोरों को त्वरित सजा देनी होगी। जब तक दो-चार बड़े मगरमच्छों पर कानून का शिकंजा नहीं कसेगा, तब तक बाजार के ये सटोरिये आम जनता की थाली से निवाला छीनते रहेंगे। त्योहारों का उल्लास किसी भी देश की सांस्कृतिक और सामाजिक जीवंतता का प्रतीक होता है। यदि इसे महंगाई के राक्षस की भेंट चढ़ने दिया गया, तो समाज के भीतर की खुशहाली और शांति पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। व्यवस्था को अब जागना ही होगा, क्योंकि लाचारी की भी एक सीमा होती है और जब वह सीमा टूटती है, तो जन-आक्रोश का जो सैलाब आता है, वह बड़ी से बड़ी सत्ताओं को तिनके की तरह बहा ले जाता है।

कृष्ण जन्माष्टमी : निशीथ में गूंजेगा नंद के घर आनंद भय

-सुरेश गांधी

भाद्रपद की कृष्ण पक्ष की अष्टमी जब रात के सन्नाटे को चीरकर आती है तो वह केवल कैलेंडर की एक तिथि नहीं रहती, बल्कि करोड़ों हृदयों में कृष्ण के अवतरण का उत्सव बन जाती है। इस बार भी कान्हा के जन्म की प्रतीक्षा में मंदिरों से लेकर घरों तक आस्था का दीप जलेगा और आधी रात को घंटे-घड़ियालों की ध्वनि के बीच बाल गोपाल के जन्म का उल्लास छाएगा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी शुक्रवार, 4 सितंबर को मनाई जाएगी। यह पर्व भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर पड़ रहा है। पंचांग गणना के अनुसार अष्टमी तिथि 4 सितंबर को लगभग 2:25 बजे शुरू होकर 5 सितंबर की रात 12:14 बजे तक रहेगी। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का स्मरण जिस निशीथ काल में किया जाता है, वही इस पर्व का सबसे महत्वपूर्ण समय होगा। निशीथ पूजा का समय लगभग रात 12:02 बजे से 12:49 बजे तक रहेगा। इस दौरान लड्डू गोपाल का पंचामृत अभिषेक, श्रृंगार, जन्म आरती और प्रसाद अर्पण किया जाएगा। मध्यरात्रि में जैसे ही घड़ी जन्म के क्षण की ओर बढ़ेगी, मंदिरों में शंखनाद होगा। कहीं पालना झूलेगा, कहीं नंद के घर आनंद के गीत गूंजेंगे और कहीं भक्त अपने आराध्य को माखन-मिश्री का भोग लगाकर जन्मोत्सव मनाएंगे। जन्माष्टमी पर बाजार से पांच चीजें खरीदना जरूरी नहीं; कृष्ण के पांच संदेश घर लाना जरूरी है—प्रकृति से प्रेम, मन की सरलता, भक्ति, करुणा और कर्म। क्योंकि कान्हा के मुकुट का मोरपंख तभी सुंदर है, जब मन में प्रकृति के लिए जगह हो; बांसुरी तभी सार्थक है, जब भीतर अहंकार कुछ कम हो; तुलसी तभी पवित्र है, जब उसके प्रति सेवा का भाव हो; गाय-बछड़ा तभी कृष्ण की याद दिलाएगा, जब मन में जीवों के प्रति करुणा हो और लड्डू गोपाल तभी घर के भगवान बनेंगे, जब उनके प्रति प्रेम में निरंतरता होगी। आधी रात को जन्म लेने वाले कृष्ण इसलिए आज भी जीवित हैं—मंदिरों की मूर्तियों में नहीं, बल्कि उस उम्मीद में जो हर अंधेरे समय में मनुष्य को कहती है—अभी सब समाप्त नहीं हुआ है।

अष्टमी की गोद में रोहिणी का आकाश

कृष्ण जन्म की कथा में तिथि जितनी महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्व रोहिणी नक्षत्र का भी है। धार्मिक मान्यता है कि देवकी-वसुदेव के पुत्र के रूप में श्रीकृष्ण का प्राकट्य भाद्रपद कृष्ण अष्टमी की अर्धरात्रि में रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। रोहिणी नक्षत्र का संयोग जन्माष्टमी के आसपास बन रहा है, जिसके कारण पर्व की धार्मिक महत्ता और बढ़ जाती है। उपलब्ध पंचांग गणनाओं में रोहिणी के समय को लेकर स्थानानुसार कुछ अंतर है, इसलिए स्थानीय पंचांग को अंतिम मानना उचित होगा। यह संयोग मानो उस दिव्य क्षण की स्मृति को फिर से जीवित करता है, जब मथुरा की कारागार में अंधकार के बीच प्रकाश का जन्म हुआ था। कंस का आतंक था, सत्ता का अहंकार था, लेकिन उसी अंधकार में धर्म की नई सुबह ने जन्म लिया। रोहिणी नक्षत्र 4 सितंबर को रात 11:04 बजे तक रहेगा। मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में निशीथ पूजा का समय लगभग रात 11:56 बजे से 12:41 बजे तक रहेगा। स्थान के अनुसार मुहूर्त में कुछ मिनट का अंतर स्वाभाविक है।

व्रत से जन्मोत्सव तक, भक्ति का अपना विधान

जन्माष्टमी पर श्रद्धालु प्रातः स्नान के बाद व्रत का संकल्प लेते हैं। दिनभर कृष्ण नाम, कथा, भजन और कीर्तन का क्रम चलता है। घरों में बाल गोपाल के लिए पालना सजाया जाता है। रात में निशीथ काल में भगवान का अभिषेक कर उन्हें नवीन वस्त्र और आभूषण धारण कराए जाते हैं। पंचामृत स्नान के बाद माखन-मिश्री, धनिया पंजीरी, फल और अन्य नैवेद्य अर्पित करने की परंपरा है। जन्म के बाद आरती और जयघोष के साथ प्रसाद वितरित किया जाता है। पारण के समय को लेकर भी परंपरागत मत अलग हो सकते हैं। कुछ पंचांग अष्टमी तिथि समाप्त होने के बाद पारण बताते हैं, जबकि कुछ परंपराओं में सूर्योदय के बाद निर्धारित नियम से व्रत खोला जाता है। इसलिए व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए अपने क्षेत्र के मान्य पंचांग अथवा मंदिर की परंपरा का अनुसरण करना बेहतर रहेगा।

कृष्ण केवल जन्म नहीं लेते, उम्मीद भी जन्म लेती है

कृष्ण की कथा का सबसे बड़ा संदेश यही है कि जब अन्याय अपनी सीमा पार कर लेता है, तब परिवर्तन की शुरूआत होती है। मथुरा की जेल में जन्मे कृष्ण महलों में नहीं पले; यशोदा के आंगन में उनकी बाल लीलाएं खिलीं और गोकुल की गलियों में उनकी बांसुरी ने प्रेम का अर्थ समझाया। इसीलिए जन्माष्टमी केवल भगवान के जन्म की तिथि नहीं, बल्कि अंधकार पर प्रकाश, अहंकार पर विनम्रता और अन्याय पर धर्म की विजय का सांस्कृतिक उत्सव है। इस बार भी जब मध्यरात्रि में मंदिरों के कपाट खुलेंगे और बालकृष्ण का जन्म कराया जाएगा, तब हजारों वर्षों पुरानी वही अनुभूति फिर लौटेगी— कारागार का अंधकार टूटेगा, बांसुरी की धुन जन्म लेगी और हर आंगन से एक ही स्वर उठेगा—जय कन्हैयालाल की।

कृष्ण जन्माष्टमी से ठीक पहले बुधवार, 2 सितंबर 2026 को ललही छठ (हल षष्ठी/हरछठ) मनाई जाएगी। यह भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाने वाला महत्वपूर्ण व्रत है और इसे भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलरामजी से जोड़ा जाता है। बलराम का प्रमुख आयुध हल होने के कारण यह पर्व कृषि, धरती और मातृत्व से भी गहरे जुड़ा है। इस दिन माताएं संतान की दीघार्यु, आरोग्य और सुख-समृद्धि की कामना से व्रत रखती हैं। परंपरा में हल से जुड़ी कृषि-स्मृतियों तथा सात्विक आहार का विशेष महत्व है। गांवों और कस्बों में आज भी हरछठ की पूजा लोकपरंपरा, मातृ-आस्था और कृषि संस्कृति का अद्भुत संगम दिखाई देती है।

जन्माष्टमी से पहले घर ले आएं कान्हा के ये पांच प्रिय प्रतीक, बदल जाएगा घर का माहौल

भाद्रपद कृष्ण अष्टमी की रात जब घड़ी की सुइयां आधी रात की ओर बढ़ेंगी, तब देश के करोड़ों घरों में एक साथ एक ही प्रतीक्षा होगी—कब जन्मेंगे नंदलाल। कहीं मंदिरों में शंख बजेंगे, कहीं कान्हा का पालना सजेगा, कहीं माखन-मिश्री का भोग लगेगा और कहीं मां अपने लड्डू गोपाल को नन्हे शिशु की तरह गोद में उठाकर जन्मोत्सव मनाएगी। लेकिन कृष्ण की भक्ति केवल पूजा के उस एक क्षण तक सीमित नहीं है। उनकी स्मृति से जुड़े कुछ प्रतीक भारतीय घरों और लोकजीवन में सदियों से आस्था का हिस्सा रहे हैं। इस जन्माष्टमी से पहले घर को कृष्णमय बनाने की तैयारी है तो मोरपंख, बांसुरी, तुलसी, गाय-बछड़े की प्रतिमा और लड्डू गोपाल जैसे प्रतीकों को विशेष स्थान दिया जा सकता है। धार्मिक मान्यताओं में इनका अपना अलग महत्व बताया गया है। कोई इन्हें ग्रहों के प्रभाव से जोड़ता है तो कोई प्रेम, करुणा, समृद्धि और पारिवारिक सौहार्द का प्रतीक मानता है। खास बात यह है कि कृष्ण के ये प्रतीक केवल सजावट की वस्तुएं नहीं हैं; इनके पीछे एक पूरी सांस्कृतिक कथा और जीवन-दर्शन छिपा है।

कृष्ण का घर, केवल मंदिर नहीं—एक भावलोक

कृष्ण को घर में लाने का अर्थ केवल एक मूर्ति या प्रतीक को किसी स्थान पर रख देना नहीं है। कृष्ण भारतीय चेतना में ऐसे देवता हैं जो जीवन के लगभग हर रंग में दिखाई देते हैं। वह बालक हैं तो यशोदा के आंगन में हैं, मित्र हैं तो सुदामा के साथ हैं, प्रेम हैं तो राधा के साथ हैं, सारथी हैं तो अर्जुन के रथ पर हैं और योगेश्वर हैं तो कुरुक्षेत्र में कर्म का संदेश देते हैं। इसीलिए जन्माष्टमी की तैयारी में इस्तेमाल होने वाली वस्तुएं भी अपने भीतर कोई न कोई प्रतीक लेकर आती हैं। मोरपंख कृष्ण की शोभा और प्रकृति से उनके सहज संबंध की याद दिलाता है। बांसुरी अहंकार से खाली होकर ईश्वर की धुन बनने का संदेश देती है। तुलसी भक्ति और समर्पण की प्रतीक है। गाय-बछड़ा कृष्ण के गोपाल रूप और ग्रामीण संस्कृति की स्मृति जगाता है। वहीं लड्डू गोपाल घर में वात्सल्य और बाल रूप की उपासना का केंद्र बनते हैं। इन्हें खरीदना किसी अनिवार्य धार्मिक नियम की तरह नहीं, बल्कि आस्था और परंपरा के प्रतीकों के रूप में देखा जाना चाहिए।

क्या पांचों चीजें एक साथ लाना जरूरी है?

नहीं। धर्म में श्रद्धा की कीमत वस्तुओं की संख्या से नहीं होती। यदि किसी परिवार के पास केवल एक छोटा मोरपंख है, तो वही पर्याप्त है। यदि कोई केवल तुलसी का पौधा लगा सकता है, तो वही कृष्ण-स्मरण का सुंदर माध्यम बन सकता है। किसी के पास बांसुरी है, किसी के पास बाल गोपाल हैं, किसी के घर पहले से गाय-बछड़े की प्रतिमा है—हर घर की अपनी परंपरा है। कृष्ण को प्रसन्न करने के लिए वस्तुओं का प्रदर्शन नहीं, भाव का होना महत्वपूर्ण माना गया है। इसलिए जन्माष्टमी की खरीदारी को धार्मिक भय का रूप न दें। यह सोचकर वस्तुएं न खरीदें कि इन्हें न लाने से कोई अनिष्ट हो जाएगा। इन्हें लाएं तो प्रेम से, अपनी श्रद्धा से और उस प्रतीक के अर्थ को समझते हुए।

जन्माष्टमी पर इन प्रतीकों को कैसे सजाएं?

घर के मंदिर या कृष्ण की वेदी को पहले स्वच्छ करें। एक साफ चौकी पर पीला या लाल वस्त्र बिछाया जा सकता है। बाल गोपाल को आसन दें। पास में मोरपंख रखा जा सकता है। बांसुरी को कृष्ण की प्रतिमा के बगल में रखा जा सकता है। तुलसीदल पूजा के लिए तैयार रखें। गाय-बछड़े की छोटी प्रतिमा को वेदी के निकट किसी स्वच्छ स्थान पर रखा जा सकता है। यदि लड्डू गोपाल घर में हैं तो उनके लिए नया वस्त्र, मुकुट, बांसुरी, मोरपंख, हार और अन्य श्रृंगार सामग्री तैयार की जा सकती है। फूलों से पालना सजाएं। माखन-मिश्री, पंजीरी, फल और परिवार की परंपरा के अनुसार अन्य भोग तैयार करें। रात में जन्म के समय शंखनाद, घंटी और आरती के साथ कान्हा का जन्मोत्सव मनाएं।

जन्माष्टमी का असली संदेश—घर में कान्हा आएं तो व्यवहार भी बदले

कृष्ण के प्रतीकों को घर में सजाना सुंदर है, लेकिन कृष्ण को समझना उससे भी अधिक सुंदर है। मोरपंख हमें प्रकृति से प्रेम करना सिखाए। बांसुरी हमें अहंकार खाली करने का संदेश दे। तुलसी हमें सेवा और हरित जीवन की याद दिलाए। गाय-बछड़ा हमें करुणा और सह-अस्तित्व का अर्थ समझाए। और लड्डू गोपाल हमें यह याद दिलाएं कि ईश्वर से रिश्ता केवल भय का नहीं, प्रेम और वात्सल्य का भी हो सकता है। यदि जन्माष्टमी के बाद भी घर में प्रेम बढ़े, बच्चों के साथ संवाद बढ़े, बुजुर्गों के प्रति सम्मान बढ़े, प्रकृति के प्रति संवेदना बढ़े और मन में दूसरों के लिए करुणा जन्म ले—तभी कृष्ण के आने का अर्थ पूरा होगा। कृष्ण ने कभी जीवन से भागने का संदेश नहीं दिया। उन्होंने युद्धभूमि में खड़े अर्जुन को कर्म का रास्ता दिखाया। उन्होंने प्रेम भी किया और नीति भी सिखाई। उन्होंने बांसुरी भी बजाई और सुदर्शन भी धारण किया। इसलिए जन्माष्टमी का उत्सव केवल सजावट और मिठाइयों तक सीमित नहीं होना चाहिए। कान्हा का घर में आना दरअसल उस जीवन-दर्शन का घर में आना है जिसमें प्रेम है, नीति है, करुणा है, कर्म है और सबसे बढ़कर—अंधकार के बीच प्रकाश की उम्मीद है।

जिस रात समय ठहर-सा जाता है और आधी रात के सन्नाटे में शंखनाद गूंजता है, उस रात भारतीय आस्था अपने सबसे प्रिय बाल रूप को पुकारती है। भाद्रपद की कृष्ण अष्टमी फिर वही प्रतीक्षा लेकर आ रही है—उस क्षण की प्रतीक्षा, जब देवकी की कोख से जन्मे कृष्ण केवल मथुरा की कारागार का अंधेरा नहीं मिटाते, बल्कि युगों के अंधकार में उम्मीद का दीप जला देते हैं। इस बार चार सितंबर की रात जन्माष्टमी का उल्लास चरम पर होगा। अष्टमी तिथि, निशीथ काल और रोहिणी नक्षत्र से जुड़ी पंचांग गणनाएं पर्व की धार्मिक आभा को और गहरा करेंगी। मंदिरों में झूलेंगे लड्डू गोपाल, घरों में सजेंगे पालने और आधी रात को जन्म के साथ ही नंद के घर आनंद भयो से वातावरण गूंज उठेगा। कृष्ण का जन्मोत्सव हर वर्ष आता है, लेकिन हर बार उसका अर्थ नया हो जाता है। कहीं वह बाल गोपाल की मुस्कान है, कहीं मां यशोदा का वात्सल्य, कहीं राधा का प्रेम और कहीं कुरुक्षेत्र में दिया गया वह संदेश, जिसने कर्म को जीवन का धर्म बना दिया। इस जन्माष्टमी आधी रात केवल कान्हा का जन्म नहीं होगा—आस्था, प्रेम और उम्मीद भी फिर जन्म लेगी

लापता महिला का शव लिफ्ट के डक्ट में मिला, हादसे में मौत की आशंका

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के धोबी तालाब इलाके में सोमवार शाम से लापता 54 वर्षीय महिला का शव मंगलवार को एक इमारत के लिफ्ट की डक्ट में मिला। मृतका की पहचान शाहीन मोहम्मद सुलतान शेख (54), निवासी हाजी सुलेमान अपार्टमेंट, धोबी तालाब के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शाहीन सोमवार शाम सामने स्थित राबिया अपार्टमेंट में रहने वाली अपनी बहन के घर गई थीं। रात करीब साढ़े नौ बजे घर लौटने के लिए निकलीं, लेकिन वापस नहीं पहुंचीं। परिजनों ने रात में उनकी तलाश की और मंगलवार सुबह भोईवाड़ा पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने महिला के मोबाइल नेटवर्क की तकनीकी जांच की, जिसमें उनकी लोकेशन राबिया अपार्टमेंट के आसपास दिखाई दी। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विक्रम मोहिते के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक दीपक जाधव और उनकी टीम ने इलाके में तलाश शुरू की। इस दौरान महिला का शव इमारत के लिफ्ट डक्ट में मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी उपजिला अस्पताल भेज दिया है। मामले में आकस्मिक मृत्यु दर्ज कर पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है।

आशादत्त गोशाला के गोवंश के लिए टाइगर ग्रुप की ओर से चारा वितरण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। टाइगर ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. तानाजी भाऊ जाधव के मार्गदर्शन में सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए अंबाजोगाई, जिला बीड स्थित आशादत्त गोशाला में गोवंश के लिए चारा वितरित किया गया। टाइगर ग्रुप मुंबई प्रदेश अध्यक्ष पै. संजय भाऊ खंडागळे तथा मुंबई प्रदेश समाजसेविका छायाताई संजय खंडागळे की ओर से यह सामाजिक उपक्रम आयोजित किया गया। गोशाला में मौजूद गोवंश के लिए चारे और पानी की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए की गई इस सहायता से गोशाला प्रबंधन को काफी राहत मिली। इस अवसर पर गोसेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि गोसेवा केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संवेदनशीलता और मानवता की भावना को मजबूत करने का माध्यम भी है। इसी भावना के साथ टाइगर ग्रुप की ओर से समय-समय पर विभिन्न सामाजिक एवं जनसेवा के उपक्रम आयोजित किए जाते हैं। चारा वितरण के इस उपक्रम के माध्यम से सेवा ही समाज की सच्ची शक्ति है का संदेश दिया गया। टाइगर ग्रुप के इस सामाजिक कार्य की गोशाला प्रबंधन एवं स्थानीय नागरिकों ने सराहना की।

प्लेटफॉर्म वर्कर्स की सुरक्षा को एफएसएसएआई निरीक्षण में किया शामिल जाए

मुंबई। फोरम फॉर प्रोग्रेसिव प्लेटफॉर्म वर्कर्स ने भारत सरकार से आग्रह किया है कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा किए जाने वाले मौजूदा निरीक्षणों में गिग-वर्कर्स की बुनियादी सुरक्षा और कामकाजी स्थितियों की जांच को भी एकीकृत किया जाए। एक समन्वित प्रवर्तन तंत्र के जरिए करदाताओं के पैसे पर अतिरिक्त बोझ डाले बिना और नौकरशाही को जटिल किए बिना श्रमिकों की सुरक्षा को मजबूत किया जा सकता है। एफएसएसएआई और एफडीए नियमित रूप से रेस्तरां, डार्क स्टोर्स, फुलफिलमेंट सेंटर्स, वेयरहाउस और अन्य ऐसे प्रतिष्ठानों का दौरा करते हैं, जहां प्लेटफॉर्म वर्कर्स काम करते हैं। निरीक्षण की यह मौजूदा प्रक्रिया अधिकारियों को एक व्यावहारिक अवसर प्रदान करती है, जिससे वे काम के दौरान नजर आने वाली सुरक्षा संबंधी चिंताओं को चिह्नित कर संबंधित श्रम अधिकारियों को भेज सकें। एफएसएसएआई और श्रम विभाग के एक संयुक्त निरीक्षण प्रोटोकॉल के तहत खाद्य सुरक्षा निरीक्षण के दौरान सामने आने वाले गंभीर मुद्दों को श्रम विभागों के साथ साझा किया जा सकता है। इनमें पीने के पानी और स्वच्छता की सुविधा, सुरक्षित प्रवेश और निकास द्वार, आग और आपातकालीन तैयारियां, प्राथमिक चिकित्सा के इंतजाम, रोशनी और वेंटिलेशन, विश्राम स्थल तथा व्यावसायिक सुरक्षा से जुड़ी अन्य बुनियादी स्थितियां शामिल हो सकती हैं। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, एफएसएसएआई प्रमुख कंपनियों और प्रतिष्ठानों को 150 से अधिक नोटिस जारी कर चुका है, जबकि यह नियामक कार्रवाई क्विक-कॉमर्स ऑपरेशन्स, फूड-सर्विस प्रतिष्ठानों और अन्य व्यवसायों तक विस्तृत है।

जीवन से भिड़ेगा भीमा: जीवन या भीमा कौन में अरशद वारसी का पहला डबल रोल बढ़ाएगा कन्फ्यूजन और अराजकता का डोज!

मुंबई/पटना। जीवन या भीमा कौन? के मेकर्स ने बहुप्रतीक्षित ट्रेलर जारी कर दिया है। अरशद वारसी और संजीदा शेख स्टारर यह फिल्म अभिषेक डोगरा के निर्देशन में बनी है और 4 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। ट्रेलर फिल्म की अनोखी और अप्रत्याशित दुनिया की झलक पेश करता है, जिसमें डार्क ह्यूमर, क्राइम, सस्पेंस और गलत पहचान से पैदा होने वाला जबरदस्त कन्फ्यूजन देखने को मिलता है। खास बात यह है कि फिल्म में अरशद वारसी पहली बार डबल रोल में नजर आएंगे। ट्रेलर में अरशद वारसी दो बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आते हैं—जीवन और भीमा। दो अलग-अलग जिंदगियों का यह अजीबोगरीब टकराव घटनाओं की ऐसी कड़ी को जन्म देता है, जो कहानी को लगातार नए मोड़ देती है। जहां जीवन एक आम, कर्ज.में डूबा हुआ आदमी है, जो अपनी परेशानियों से निकलने का रास्ता तलाश रहा है, वहीं भीमा उसका खतरनाक हमशक्ल है, जिसकी जिंदगी में एंट्री होते ही सब कुछ बदल जाता है।

संजीदा शेख, जीवन की तेज-तर्रार और समझदार पत्नी योजना के किरदार में नजर आएंगी। वहीं विजय राज रहस्यमयी विनायक की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की स्टारकास्ट में पूजा चोपड़ा, बिजेंद्र काला और दिवंगत अतुल परचुरे भी शामिल हैं।

SIR के तहत प्रारूप मतदाता सूची जारी, नाम नहीं होने पर 30 सितंबर तक दावे-आपत्तियां दर्ज करायें : जिलाधिकारी डॉ. इंदु राणी जाखड

पालघर (उत्तरशक्ति)। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार महाराष्ट्र में चलाये जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision—SIR) के तहत सोमवार 31 अगस्त 2026 को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई। इसके बाद पालघर जिले के प्रत्येक पात्र मतदाता से अपील की गई है कि वह केवल अपना ही नहीं, बल्कि परिवार के सभी पात्र सदस्यों का नाम मतदाता सूची में दर्ज है या नहीं, इसकी सावधानीपूर्वक जांच करें। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. इंदु राणी जाखड ने कहा कि प्रारूप मतदाता सूची में नाम नहीं मिलने पर पात्र मतदाताओं को घबराने की आवश्यकता नहीं है। 31 अगस्त से 30 सितंबर 2026 तक दावे और आपत्तियां दाखिल की जा सकती हैं। प्राप्त दावे-आपत्तियों की सुनवाई एवं उनके निराकरण की प्रक्रिया 29 अक्टूबर 2026 तक पूरी की जायेगी। इसके बाद 4 नवंबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जायेगी।प्रारूप मतदाता सूची में अपना नाम तलाशते समय मतदाताओं को निम्न जानकारियों की भी जांच करनी चाहिए– मतदाता का नाम सही दर्ज है या नहीं। पिता अथवा पति का नाम सही है या नहीं। उम्र अथवा जन्मतिथि और लिंग की जानकारी सही है या नहीं। फोटो और

पता सही दर्ज है या नहीं। मतदाता पहचान पत्र क्रमांक EPIC सही है या नहीं। संबंधित मतदान केंद्र सही दर्ज है या नहीं। विशेष रूप से वृद्ध नागरिकों, शिक्षा या नौकरी के कारण बाहर रहने वाले परिवार के सदस्यों, प्रवासी नागरिकों तथा SIR प्रक्रिया के दौरान जिनका गणना प्रपत्र (Enumeration Form) नहीं भरा गया अथवा जिनकी जांच पूरी नहीं हो सकी, ऐसे मतदाताओं के नाम परिवार के सदस्यों को विशेष रूप से जांचने की अपील की गई है। प्रारूप मतदाता सूची अंतिम सूची नहीं है। इसलिए पात्र मतदाता का नाम सूची में नहीं होने पर निराश होने की जरूरत नहीं है। नए मतदाता के पंजीकरण अथवा पात्र होने के बावजूद प्रारूप सूची में नाम नहीं होने की स्थिति में आवश्यक दस्तावेज एवं घोषणा-पत्र के साथ Form 6 के माध्यम से दावा प्रस्तुत किया जा सकता है। वहीं, मतदाता के नाम, पते, उम्र या जन्मतिथि, फोटो अथवा अन्य विवरण में किसी प्रकार की गलती होने पर Form 8 के माध्यम से संशोधन के लिए आवेदन किया जा सकता है। जिन मतदाताओं का नाम पिछली मतदाता सूची में था, लेकिन रक्फ़ प्रक्रिया के दौरान उन्हें Absent/Shifted/Dead/Duplicate (ASDD) श्रेणी में दर्ज किया गया है अथवा जिनकी सत्यापन प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है, उन्हें प्रारूप मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचना चाहिए। यदि संबंधित व्यक्ति पात्र मतदाता है, तो उसे उपलब्ध आधिकारिक सुविधा के माध्यम से अपनी स्थिति की जांच कर निर्धारित समय सीमा के भीतर आवश्यक आवेदन एवं दस्तावेज जमा करने चाहिए। प्रारूप मतदाता सूची और मतदाता पंजीकरण से संबंधित जानकारी महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की आधिकारिक वेबसाइट, भारत निर्वाचन आयोग के Voters' Service Portal, संबंधित मतदाता पंजीकरण अधिकारी एवं सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारी के कार्यालय में उपलब्ध है। इसके अलावा संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) से भी मतदाता सूची की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। दावा या संशोधन आवेदन करने की आवश्यकता होने पर मतदाताओं को पहचान, उम्र/जन्मतिथि और निवास से संबंधित आवश्यक दस्तावेज तैयार रखने चाहिए।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश अहीर का नालासोपारा में किया गया स्वागत

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश अहीर के मुंबई आगमन पर पालघर तालुका के नालासोपारा में सपा मजदूर सभा की ओर से उनका सत्कार किया गया। इस दौरान अहीर ने भाजपा सरकार पर महंगाई और बेरोजगारी को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई चरम पर पहुंच गई है और बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं। मुंबई में रिक्शा और टैक्सी चालकों को भी आए दिन बेवजह परेशान किया जाता है। अहीर ने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर रिक्शा-टैक्सी चालकों को परेशान नहीं करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश और बिहार के हजारों लोग मुंबई में रिक्शा-टैक्सी चलाकर मेहनत से अपना परिवार पाल रहे हैं। सरकार को मेहनतकश लोगों की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। इस अवसर पर सपा मजदूर सभा महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष राम चरण यादव, लालू यादव, अजय प्रजापति, अरुण कुमार, उमेश कुमार, इंद्रजीत, रमेश प्रजापति, राजेश यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बुजुर्ग महिला की चेन छीनने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, 50 ग्राम का सोने का मंगलसूत्र बरामद

- मानिकपुर पुलिस की अपराध जांच टीम को बड़ी सफलता; मुख्य आरोपी पर मुंबई में 30 आपराधिक मामले दर्ज

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। वसई मानिकपुर पुलिस स्टेशन की अपराध जांच टीम ने बुजुर्ग महिला के गले से सोने का मंगलसूत्र छीनने की वारदात का पदार्फाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 49.65 ग्राम वजन का, लगभग 2 लाख 50 हजार रुपये मूल्य का सोने का मंगलसूत्र बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 23 अगस्त 2026 को शाम करीब 6 बजे मानिकपुर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुई। शिकायतकर्ता श्रीमती मैरी जॉन डिमेलो मानिकपुर झील से माइकल चर्च की ओर पैदल जा रही थीं। इसी दौरान मानिकपुर चौक की ओर से मोटरसाइकिल पर आए दो अज्ञात व्यक्तियों में से एक व्यक्ति

बाइक से उतरकर महिला का पीछा करने लगा। आरोपी ने मौका पाकर महिला के गले से काले मोतियों सहित सोने का मंगलसूत्र झपट लिया। अचानक हुई इस वारदात में महिला के गले में चोट भी आई। इसके बाद आरोपी मौके से मानिकपुर नाका की दिशा में फरार हो गया। श्रीमती मैरी जॉन डिमेलो की शिकायत के आधार पर मानिकपुर पुलिस स्टेशन में जी.आर. क्रमांक 431/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(6) एवं 3(5) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। गुप्त सूचना और तकनीकी जांच से आरोपियों तक पहुंची पुलिस जोन-2 के पुलिस उपायुक्त अशोक विरकर तथा वसई के सहायक पुलिस आयुक्त देवेन्द्र पोल के निर्देश एवं मार्गदर्शन में मानिकपुर पुलिस स्टेशन की अपराध जांच टीम ने तत्काल घटनास्थल का दौरा कर जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल की गहन जांच की और गुप्त सूचना के आधार पर दोनों आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुनील उर्फ चरसी उर्फ भाई दत्ताराम सकपाल (40 वर्ष), निवासी उमेलागांव, वसई पश्चिम तथा अंकुश सुभाष पवार (34 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा आरोपियों से की गई गहन पूछताछ के बाद चोरी किया गया 49.65 ग्राम वजन का सोने का मंगलसूत्र बरामद कर लिया गया।

लता मंगेशकर नाट्यगृह की एसी व्यवस्था में तकनीकी खराबी, प्रभाग 6 के सभापति प्रशांत दल्वी ने अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। भारत रत्न लता मंगेशकर नाट्यगृह में पिछले कुछ कार्यक्रमों के दौरान वातानुकूलन (एसी) व्यवस्था में आई तकनीकी खराबी को गंभीरता से लेते हुए प्रभाग क्रमांक 6 के सभापति प्रशांत दल्वी ने संबंधित अधिकारियों के साथ नाट्यगृह का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। इस दौरान एसी प्रणाली में उत्पन्न तकनीकी समस्याओं, खराबी के कारणों तथा उनके शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक उपायों की विस्तृत जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान नाट्यगृह में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक, सामाजिक एवं अन्य कार्यक्रमों को सुचारु और सुरक्षित रूप से संपन्न कराने को लेकर

संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ चर्चा की गई। सभापति प्रशांत दल्वी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि तकनीकी मरम्मत का कार्य पूर्ण होने तक किसी भी निर्धारित कार्यक्रम में बाधा उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। इसके लिए संबंधित विभागों एवं कर्मचारियों को तत्काल आवश्यक वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए, ताकि नाट्यगृह में आने वाले नागरिकों, कलाकारों और कार्यक्रम आयोजकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि नाट्यगृह की सभी आवश्यक सुविधाओं को जल्द से जल्द सुचारु किया जाए और भविष्य में इस प्रकार की तकनीकी समस्याओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्थायी एवं प्रभावी कदम उठाए जाएं। इस अवसर पर प्रभाग अधिकारी, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा नाट्यगृह के रखरखाव से जुड़े कर्मचारी उपस्थित थे।

पालघर-डहाणू के दुर्गम इलाकों में अब पहुंचेगी मोबाइल स्वास्थ्य सेवा

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर तथा डहाणू तहसील के दुर्गम एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के लिए अब स्वास्थ्य सेवाएं उनके घर-द्वार तक पहुंचेंगी। कई बार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचना भी चुनौतीपूर्ण होने वाले क्षेत्रों के नागरिकों को राहत देते हुए लुपिन लिमिटेड की सीएसआर शाखा लुपिन ह्यूमन वेलफेयर एंड रिसर्च फाउंडेशन ने महाराष्ट्र शासन के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से पालघर जिले को चौथी मोबाइल मेडिकल वैन उपलब्ध कराई है। इस मोबाइल स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से पालघर-डहाणू तहसील के 6 लाख से अधिक नागरिकों को प्राथमिक स्वास्थ्य

जांच, बीमारियों का समय पर निदान, चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक उपचार की सुविधा मिलने की उम्मीद है।

मोबाइल मेडिकल वैन का लोकार्पण जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, लुपिन फाउंडेशन की सीएसआर प्रमुख तुषारा शंकर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी तथा लुपिन के तारापुर स्थित जनरल मैनेजर राजेंद्र फिरके के हाथों किया गया। इस अवसर पर जिला सात रोग विशेषज्ञ डॉ. अजय ठाकरे और तलासरी तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्रीकांत कुलकर्णी सहित स्वास्थ्य विभाग एवं लुपिन फाउंडेशन के अधिकारी उपस्थित रहे।

LIVeS कार्यक्रम के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई यह पालघर जिले की चौथी मोबाइल मेडिकल वैन है। इससे पहले तीन मोबाइल वैन के माध्यम से पालघर-डहाणू, विक्रमगढ़-तलासरी तथा जव्हार-वाडा क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

निपुण पालघर 2.0 का शुभारंभ, प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अगले स्तर तक पहुंचाने का संकल्प

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर के शिक्षा विभाग (प्राथमिक) की ओर से विद्यार्थियों की बुनियादी शैक्षणिक क्षमता को मजबूत बनाने के उद्देश्य से निपुण पालघर गुणवत्ता विकास अभियान 2.0 का शुभारंभ मंगलवार को जिला परिषद पीएम श्री स्कूल वेवूर, केंद्र नवली, तहसील पालघर में मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के हाथों किया गया। इस अवसर पर शिक्षणाधिकारी (प्राथमिक) सोनाली मातेकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

पिछले शैक्षणिक वर्ष में चलाये गये निपुण पालघर गुणवत्ता विकास अभियान के सकारात्मक परिणामों के आधार पर इस वर्ष अभियान को नए स्वरूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रारंभिक मूल्यांकन में जहां 50 प्रतिशत विद्यार्थी एल-1 स्तर पर थे और केवल 16 प्रतिशत विद्यार्थी निपुण स्तर पर पहुंचे थे, वहीं सतत शैक्षणिक प्रयासों से चाचणी क्रमांक 1 में निपुण विद्यार्थियों का प्रतिशत 36 तक तथा चाचणी क्रमांक 2 में बढ़कर 57 प्रतिशत हो गया। दूसरी ओर एल-1 स्तर के विद्यार्थियों की संख्या 50 प्रतिशत से घटकर केवल 1 प्रतिशत रह गई। विषयवार उपलब्धियों में भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई। चाचणी क्रमांक 2 में मराठी विषय में 51 प्रतिशत, गणित में 66 प्रतिशत तथा अंग्रेजी में 53 प्रतिशत विद्यार्थी निपुण स्तर तक

पहुंचे, जिससे अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन की सफलता स्पष्ट दिखाई दी।

जिला परिषद के अनुसार 1 सितंबर 2026 से 30 मार्च 2027 तक निपुण पालघर 2.0 अभियान संचालित किया जायेगा। अध्ययन में पीछे रहने वाले विद्यार्थियों के लिए कृती पुस्तिका आधारित 45 दिवसीय विशेष कार्यक्रम, इसके बाद आठ सप्ताह का साप्ताहिक कृती कार्यक्रम तथा आवश्यकता अनुसार उपचारात्मक अध्यापन आयोजित किया जायेगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के बोलने, पढ़ने, लिखने और गणना जैसे मूलभूत कौशलों को अधिक सशक्त बनाना है। वहीं निपुण स्तर प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों के लिए अध्ययन समृद्धि, वाचन अभियान, सृजनात्मक लेखन, स्पोकन इंग्लिश एवं स्पेलिंग बी जैसे विशेष उपक्रम चलाये जायेंगे। साथ ही छात्रवृत्ति, नवोदय एवं एनएमएमएस प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु ऑनलाइन मार्गदर्शन, विशेषज्ञों का अतिरिक्त प्रशिक्षण तथा ओएमआर शीट पर अभ्यास की सुविधा भी उपलब्ध कराई जायेगी।

उद्घाटन अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने शिक्षकों के पिछले वर्ष के उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए कहा कि 16 प्रतिशत से 57 प्रतिशत तक निपुण विद्यार्थियों की वृद्धि जिले के लिए गर्व की उपलब्धि है। उन्होंने शेष विद्यार्थियों को भी निपुण स्तर तक पहुंचाने के लिए सामूहिक प्रयास करने, कृती पुस्तिकाओं का प्रभावी उपयोग करने तथा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने पर विशेष जोर दिया। इस अभियान में विनोबा ऐप, संपर्क फाउंडेशन, रूम टू रीड एवं सिखे संस्था का सहयोग प्राप्त होगा। कार्यक्रम स्थल पर ऑनलाइन प्रणाली, डेटा विश्लेषण, स्मार्ट डिवाइस आधारित गतिविधियां, वाचन अभियान एवं शैक्षणिक जत्रा से संबंधित नवाचारों के स्टॉल भी लगाये गये, जहां शिक्षकों और विद्यार्थियों ने आधुनिक शिक्षण सामग्री एवं आनंददायी अध्ययन पद्धतियों का प्रत्यक्ष अनुभव लिया।

टिटवाला वार्ड के आंबिवली में फिर बेखौफ अवैध निर्माण!

- सहायक आयुक्त के निलंबन के बाद भी हालात जस के तस
- शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का नागरिकों का आरोप

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका क्षेत्र में अवैध निमार्णों का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। टिटवाला प्राभग के मोहने और आंबिवली परिसर में कथित तौर पर नए अवैध निर्माण तेजी से शुरू होने का आरोप स्थानीय नागरिकों ने लगाया है। खास बात यह है कि अवैध निमार्णों के मामले में प्रशासन द्वारा अ प्रभाग के सहायक आयुक्त जयवंत चौधरी के निलंबन की कार्रवाई किए जाने के बावजूद स्थिति में कोई खास बदलाव नहीं दिखाई दे रहा है, ऐसा शिकायतकताओं का दावा है। स्थानीय नागरिकों के मुताबिक, मोहने-आंबिवली इलाके में नए अवैध निमार्णों को लेकर पालिका प्रशासन के पास बार-बार शिकायतें की जा रही हैं। शिकायतों के साथ संबंधित निमार्णों की जानकारी प्रशासन तक पहुंचाने के बावजूद मौके पर ठोस कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया जा रहा है। अवैध निमार्णों पर कार्रवाई के लिए नए अधिकारी की नियुक्ति किए जाने के बाद भी अगर निर्माण कार्य जारी रहते हैं और शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होती, तो प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। इसी को लेकर शिकायतकर्ता अब आक्रामक हो गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि अवैध निमार्णों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई नहीं की गई, तो पालिका प्रशासन के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा। निलंबन के बाद भी अवैध निमार्णों पर लगाम क्यों नहीं? अवैध निमार्णों को लेकर प्रशासन द्वारा पहले भी सख्त कार्रवाई का दावा किया गया है। संबंधित अधिकारी पर निलंबन जैसी कार्रवाई होने के बावजूद यदि नए निर्माण खड़े हो रहे हैं, तो आखिर इन निमार्णों को संरक्षण कौन दे रहा है? शिकायतों के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? ऐसे कई सवाल अब स्थानीय नागरिकों द्वारा उठाए जा रहे हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

लेदुका के पास पीली नदी में नहाते समय डूबा 14 वर्षीय किशोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के लेदुका क्षेत्र अंतर्गत देवरिया गाँव के पास पीली नदी में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहाँ नहाने के दौरान गहरे पानी में चले जाने से एक 14 वर्षीय किशोर की डूबकर मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

घंटों की मशक्कत के बाद मिला शव, परिवार में मचा कोहराम

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 1:00 बजे कुछ किशोर पीली नदी पर नहाने गए थे। इसी बीच, मोहम्मद नूर आलम उर्फ लाडले के 14 वर्षीय बेटे मोहम्मद फरहान का पैर अचानक गहरे पानी में चले जाने से वह डूबकर लापता हो गया। गनीमत यह रही कि उसके साथ मौजूद अन्य साथी–मोहम्मद रमीज (पुत्र मोहम्मद परवेज उर्फ बंटी), मोहम्मद अवेज (पुत्र मोहम्मद रोशन) और मोहम्मद समद–सुरक्षित बच गए।

हादसे की खबर फैलते ही गाँव में कोहराम मच गया और भारी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। अरबाज, मोतीलाल यादव, दूधनाथ, अंकित यादव, शुभम सिंह, बबलू, सुहेल, नूरजहां, पूर्व प्रधान संजय सिंह, पत्रकार दानिश, अरमान, मोहम्मद, आरिफ उर्फ पिंटू, शमीम उर्फ कुन्नू, लाल मोहम्मद और राजा सहित तमाम स्थानीय लोगों ने तुरंत पहुंच कर जायजा लिया।

ग्रामीणों ने घंटों की कड़ी मशक्कत और नदी में जाल डालकर बच्चे की तलाश शुरू की। आखिरकार, शाम 5:00 से 6:00 बजे के बीच जाल की मदद से मोहम्मद फरहान को पानी से बाहर निकाल लिया गया। किशोर के बाहर निकलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने बोलेरो वाहन की व्यवस्था की और बच्चे को तुरंत अस्पताल ले गए, परंतु डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस आकस्मिक और दुखद घटना के बाद से पूरे देवरिया और लेदुका क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है।

ट्रेन के सामने कूद कर मेडिकल संचालक ने दी जान

निशा नाथ

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। घर में रात का खाना तैयार था और पत्नी सहित पूरा परिवार अनुराग के घर लौटने का इंतजार कर रहा था। किसी को क्या पता था कि जिस बेटे, पति और पिता का इंतजार हो रहा है, उसके लौटने से पहले ही उसकी मौत की खबर घर पहुँच जाएगी। सोमवार की रात करीब 10 बजे खेतासराय रेलवे स्टेशन के आउटर कासिमपुर के समीप ट्रेन की चपेट में आने से 27 वर्षीय मेडिकल एजेंसी संचालक अनुराग यादव की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, पड़ोसी जनपद आजमगढ़ के दीदारगंज थाना क्षेत्र के सीमावर्ती गाँव कुशवां पकरौल निवासी अनुराग यादव पुत्र रमाशंकर यादव स्थानीय बाजार में मेडिकल एजेंसी का संचालन करते थे। सोमवार की शाम भी वह रोज की तरह घर से निकले थे। देर रात तक घर नहीं लौटने पर पत्नी और परिजन उनके आने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी मौत की खबर पहुँची तो खुशहाल परिवार की दुनिया एक पल में उजड़ गई।

बताया जाता है कि खेतासराय

रेलवे स्टेशन के आउटर कासिमपुर के समीप ट्रेन की चपेट में आने से अनुराग की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन भी घटनास्थल पर पहुँच गए। फिलहाल घटना के पीछे के कारणों की जाँच की जा रही है।

अनुराग की मौत ने सबसे बड़ा सदमा उनकी पत्नी मनीता और उनके दो मासूम बच्चों को दिया है। करीब दो वर्ष पहले मनीता के साथ अनुराग की शादी हुई थी। उनके डेढ़ वर्षीय जुड़वा बच्चे अर्णव और अन्या हैं। अभी दोनों बच्चे इतनी छोटी उम्र के हैं कि उन्हें शायद यह भी पता नहीं कि उनके सिर से पिता का साया हमेशा के लिए उठ चुका है। अनुराग की पत्नी के सामने भी अब जिंदगी की कठिन राह खड़ी हो गई है।

मृतक के पिता रमाशंकर यादव पेशे से चिकित्सक बताए जाते हैं। परिवार में अनुराग का बड़ा भाई रोहित यादव दिव्यांग है, जबकि छोटा भाई अभिषेक यादव अभी पढ़ाई कर रहा है। उनकी इकलौती बहन की शादी हो चुकी है। परिवार के एक युवा सदस्य की अचानक हुई मौत से गाँव और पूरे परिवार में शोक की लहर है। जिस घर में कुछ देर पहले परिवार एक साथ बैठकर खाना खाने का इंतजार कर रहा था, उसी घर में देर रात मातम पसरा हुआ था। इस सम्बंध में शाहगंज जीआरपी प्रभारी सुनील कुमार ने बताया शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

कमीशन बढ़कर 125 हुआ, अब 200 प्रति कुंतल की मांग

प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी का गृह जनपद में भव्य स्वागत, कोटेदारों ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उचित मूल्य विक्रेताओं (कोटेदारों) के कमीशन को रु.90 से बढ़ाकर

रु.125 प्रति कुंतल किए जाने पर कोटेदार संघ की ओर से प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी का उनके गृह जनपद जौनपुर में भव्य स्वागत एवं आभार समारोह आयोजित किया गया। समारोह में जिले की विभिन्न तहसीलों एवं ब्लॉकों से बड़ी संख्या में पहुंचे कोटेदारों ने प्रदेश अध्यक्ष का माल्यार्पण कर एवं अंगवस्त्र भेंट कर जोरदार स्वागत किया।

समारोह में कोटेदारों ने कमीशन बढ़ाए जाने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही कहा कि वर्तमान महंगाई और बढ़ती लागत को देखते हुए रु.125 प्रति कुंतल का कमीशन अभी भी पर्याप्त नहीं है। कोटेदारों ने सरकार से कमीशन बढ़ाकर रु.200 प्रति कुंतल किए जाने की मांग की।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हरसू सिंह, कार्यकारी जिला अध्यक्ष दयाशंकर निगम, मीडिया प्रभारी सलीमुल्लाह, करंजाकला ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार यादव, बदलापुर तहसील अध्यक्ष सुनील कुमार, शाहगंज तहसील अध्यक्ष प्रदीप कुमार यादव, लुकमान अहमद, तहसील अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार दुबे, मड़ियाहूं तहसील अध्यक्ष महेंद्र यादव, मछलीशहर तहसील अध्यक्ष कामता प्रसाद यादव सहित विभिन्न तहसीलों एवं ब्लॉकों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

नगर क्षेत्र के दुकानदार संतोष गुप्ता, मनोज कुमार जायसवाल, अनुज जायसवाल, अशोक जायसवाल, अमरनाथ, संतोष यादव, कृष्ण कुमार जायसवाल सहित बड़ी संख्या में कोटेदारों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

कोटेदार संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी के प्रयासों से कमीशन में वृद्धि हुई है। संगठन आगे भी कोटेदारों की समस्याओं और अधिकारों को लेकर सरकार के समक्ष अपनी मांगें मजबूती से रखता रहेगा।

पत्रकारों ने मुख्यमंत्री से की निष्पक्ष जांच की मांग

पत्रकार व परिजनों पर दर्ज मुकदमे का मामला, एसडीएम व सीओ को सौंपा ज्ञापन

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेजपुर (धधियां) गांव निवासी पत्रकार अवनीश वर्मा और उनके परिजनों के विरुद्ध दर्ज मुकदमे की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच की मांग को लेकर सोमवार को पत्रकारों ने प्रदर्शन किया। पत्रकारों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पुलिस महानिदेशक लखनऊ और पुलिस महानिरीक्षक

वाराणसी को संबोधित प्रार्थना पत्र उपजिलाधिकारी अखिलेश सिंह एवं क्षेत्राधिकारी अजीत राय को सौंपकर अपना विरोध दर्ज कराया।

पत्रकारों ने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा जांच में यदि कोई पुलिसकर्मी या संबंधित व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जाए। प्रदर्शन का नेतृत्व पत्रकार संघ के महामंत्री केतन विश्वकर्मा ने किया।

पत्रकार को परेशान करने के उद्देश्य से मुकदमा दर्ज कराने का आरोप– करीब चार दर्जन से अधिक पत्रकार कोतवाली चौराहे के पास एकत्र हुए और ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद पैदल मार्च करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे। इस दौरान पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पत्रकारों ने एसडीएम और सीओ को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा।

पत्रकारों ने आरोप लगाया कि पत्रकार अवनीश वर्मा और उनके परिवार को परेशान करने के उद्देश्य से मुकदमा दर्ज कराया गया है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक तथ्यों को सामने लाने की मांग की।

जांच में दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई की मांग– पत्रकार अवनीश वर्मा ने बताया कि वह पिछले 15 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्यरत हैं और जनहित से जुड़े मुद्दों के साथ प्रशासनिक एवं पुलिस व्यवस्था से संबंधित समाचार तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर प्रकाशित करते रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस की कार्यप्रणाली से संबंधित समाचार प्रकाशित किए जाने से नाराज स्थानीय पुलिसकर्मियों द्वारा उन्हें और उनके परिजनों को परेशान करने के उद्देश्य से मुकदमा दर्ज कराया गया। उनका कहना है कि परिवार के ही अरुण वर्मा की तहरीर पर पर्याप्त जांच के बिना मुकदमा पंजीकृत किया गया, जबकि लगाए गए आरोप वास्तविक घटना और परिस्थितियों से मेल नहीं खाते।

घटना के समय कार की ब्रेक की मरम्मत कराने का दावा– अवनीश वर्मा ने बताया कि कथित घटना के समय उनके छोटे भाई कमलेश वर्मा और चाचा श्रीनाथ वर्मा बकुलिया स्थित जनरल स्टोर की दुकान पर मौजूद थे। वहीं वह अपने मित्र विकास सिंह निवासी सरायबीरू और रणजीत कुमार निवासी चौरा के साथ जौनपुर स्थित कृति कुंज सुजुकी एजेंसी में अपनी कार की ब्रेक की मरम्मत कराने गए थे। उन्होंने कहा कि इन तथ्यों की संबंधित लोगों से पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर स्वतंत्र जांच कराई जा सकती है।

पीड़ित पत्रकार के समर्थन में आया पत्रकार प्रेस क्लब– पीड़ित पत्रकार अवनीश वर्मा केराकत पत्रकार संघ के सक्रिय सदस्य हैं। उनके आह्वान पर पत्रकार प्रेस क्लब के तहसील अध्यक्ष प्रवीण कुमार के नेतृत्व में सदस्यों ने भी उनका समर्थन किया। पत्रकार प्रेस क्लब ने पत्रकार हित की लड़ाई को सर्वोपरि बताते हुए न्याय मिलने तक उनके साथ खड़े रहने का संकल्प लिया।

झांसी में पत्नी की हत्या का आरोप, पति फरार

झांसी (उत्तरशक्ति)। झांसी में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद उसके पति पर हत्या का आरोप लगा है। मृतका की पहचान शिवानी उर्फ सुधा के रूप में हुई है। घटना के बाद उसका पति यश ठाकुर फरार बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, शिवानी और ग्वालियर निवासी यश की पहचान सोशल मीडिया के माध्यम से हुई थी। दोनों ने करीब डेढ़ वर्ष पूर्व प्रेम विवाह किया था। घटना के समय शिवानी की बहन मुस्कान घर के दूसरे कमरे में मौजूद थी। बताया जा रहा है कि आधी रात के बाद यश ने मुस्कान से अपना बैग मांगा और उसके कमरे की कुंडी बाहर से बंद कर वहां से फरार हो गया। सुबह करीब नौ बजे उसका भाई घर पहुंचा, जिसके बाद मुस्कान कमरे से बाहर निकल सकी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घर से शिवानी का शव बरामद कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस फरार पति की तलाश कर रही है।

एआरपी परीक्षा में 74 अभ्यर्थियों ने किया प्रतिभाग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में एआरपी (Academic Resource Person) परीक्षा मंगलवार को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा के लिए कुल 80 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 74 अभ्यर्थियों

ने परीक्षा में प्रतिभाग किया। परीक्षा के लिए चार कक्ष निर्धारित किए गए थे।

परीक्षा की पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रत्येक कक्ष में कक्ष निरीक्षकों की तैनाती की गई थी। डायट प्राचार्य की अध्यक्षता में परीक्षा की व्यवस्थाओं की निगरानी की गई। वहीं डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर एवं एसआरजी ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

परीक्षा के दौरान सभी निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन कराया गया। परीक्षा केंद्र पर किसी प्रकार की अव्यवस्था या अप्रिय स्थिति की सूचना नहीं मिली। अधिकारियों और कर्मचारियों के समन्वित प्रयास से परीक्षा सकुशल संपन्न हुई।

सीसीटीवी कैमरे से लैस हुआ पी.एम.श्री प्राथमिक विद्यालय डेडुवाना, सुरक्षा व्यवस्था होगी मजबूत

जितेन्द्र कनोजिया

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मंगलवार को पी.एम. श्री. प्राथमिक विद्यालय डेडुवाना में सीसीटीवी कैमरा स्थापित किया गया। प्रधानाध्यापक संतोष राजभर के नेतृत्व में विद्यालय परिसर में कैमरा लगाया गया।

प्रधानाध्यापक संतोष राजभर ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से विद्यालय परिसर की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी। साथ ही विद्यालय में आने-जाने वाले लोगों की जानकारी प्राप्त करने तथा अराजक तत्वों पर अंकुश लगाने में भी मदद मिलेगी। विद्यालय की संपत्ति और बच्चों की सुरक्षा की दृष्टि से यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में बच्चों को सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। सीसीटीवी निगरानी से परिसर में अनुशासन बनाए रखने में भी सहायता मिलेगी। विद्यालय में सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने पर शिक्षकों एवं अभिभावकों ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने इसे विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में सराहनीय एवं आवश्यक पहल बताया।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी में पत्रकार मोहम्मद असलम खान को मिला सम्मान

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर सोमवार को केराकत नगर के आला हजरत स्टेज, मोहल्ला सिपाह में आयोजित कार्यक्रम में पत्रकार एवं पूर्व सभासद मोहम्मद असलम खान को कमेटी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान उन्हें सम्मानित किए जाने पर मौजूद लोगों ने खुशी जताई। कमेटी के लोगों ने पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका और सामाजिक व जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के लिए

मोहम्मद असलम खान के कार्यों की सराहना की। मंच पर सम्मानित किए जाने के दौरान उपस्थित लोगों ने उनका उत्साहवर्धन किया। सम्मानित होने के बाद मोहम्मद असलम खान ने कमेटी के पदाधिकारियों और सदस्यों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के माध्यम से आमजन की समस्याओं और क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को जिम्मेदार लोगों तक पहुंचाना उनका दायित्व है। जनहित से जुड़े मामलों को आगे भी प्रमुखता से उठाते रहेंगे। इस अवसर पर कमेटी के पदाधिकारी, सदस्य और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

कनहर पुल की बदहाली से बढ़ा हादसों का खतरा

दुद्धी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी-महुली मार्ग पर कनहर नदी पर बना महत्वपूर्ण पुल लंबे समय से बदहाली का शिकार है। पुल की सड़क जगह-जगह टूटकर गहरे गड्ढों में तब्दील हो गई है। कई स्थानों पर सरिया बाहर निकल आई है और पुल पर मिट्टी जमा होने से घास उग आई है।

बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से वाहन चालकों को उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। ऐसे में खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, गड्ढों और निकली सरिया के कारण कई बाइक सवार फिसलकर घायल भी हो चुके हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यह पुल क्षेत्र के आवागमन का प्रमुख मार्ग है और प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग इसका उपयोग करते हैं। इसके बावजूद लंबे समय से मरम्मत नहीं होने से पुल की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। लोगों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से तत्काल पुल का निरीक्षण कराकर गड्ढों की मरम्मत, निकली सरिया को ठीक कराने और पुल की सतह को दुरुस्त कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि समय रहते मरम्मत नहीं हुई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

गंगा-वरुणा में उफान, निचले इलाकों में घुसा बाढ़ का पानी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जलस्तर में लगातार तेज बढ़ाव के चलते गंगा और उनके प्रभाव से वरुणा नदी उग्र होने लगी हैं। दोनों नदियों के तटवर्ती निचले इलाकों में बाढ़ का पानी आबादी के साथ फसल और सब्जियों को भी डुबाने लगा है। रविवार को वरुणा के बाढ़ क्षेत्र के करीब दो दर्जन परिवार दोबारा राहत शिविर पहुंच गए।

केंद्रीय जल आयोग और आपदा विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे तक गंगा के जलस्तर में वृद्धि जारी रहने की संभावना है, हालांकि बढ़ाव की गति कुछ धीमी हो सकती है। रविवार सुबह आठ बजे गंगा का जलस्तर 69.94 मीटर दर्ज किया गया, जो इस वर्ष का अब तक का उच्चतम स्तर है।

गंगा में उफान के कारण अस्सी घाट स्थित सुबह-ए-बनारस का मंच एक बार फिर पानी में डूब गया। गंगा आरती का स्थल भी बदलना पड़ा।

घाट किनारे लगी दुकानें सड़क पर आ गई हैं और पुराने अस्सी घाट जाने वाले मार्ग पर भी पानी सड़क की ओर बढ़ने लगा है।

हरिश्चंद्र घाट पर सड़क पर शवदाह किया जा रहा है, जबकि मणिकर्णिका घाट पर अंतिम संस्कार के लिए पहुंचने वालों को लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। दशाश्वमेध से नमोघाट के बीच एनडीआरएफ और पुलिस की सक्रियता बढ़ा दी गई है। दशाश्वमेध घाट स्थित जल पुलिस चौकी को भी मीरघाट के पास स्थानांतरित कर दिया गया है।

पर्यावरण संतुलन के लिए 30 पौधों का रोपण

आजाद हिंद पूर्व माध्यमिक विद्यालय में बीएड छात्रों ने लिया हरियाली बढ़ाने का संकल्प

बक्शा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के अंतर्गत आजाद हिंद पूर्व माध्यमिक विद्यालय बाबूपुर के परिसर में मंगलवार को राजेश कुमार महाविद्यालय, कोहड़ा, सुल्तानपुर के बीएड विभाग के छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल करते हुए 30 पौधों का रोपण किया। इस दौरान छात्रों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

बीएड विभाग के शिक्षक सचिन तिवारी ने कहा कि इस वर्ष ह्यएक पेड़ मां के नामह्ण अभियान के तहत सभी छात्र एक-एक पौधा लगाएंगे। उन्होंने कहा कि पेड़ों की लगातार कमी के कारण पर्यावरण संतुलन प्रभावित हो रहा है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण के साथ-साथ उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए।

उन्होंने बच्चों से आह्वान किया

कि वे अपने घर और विद्यालय परिसर में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण तैयार किया जा सके।

विद्यालय के प्रधानाचार्य जयप्रकाश यादव ने कहा कि पौधों के बड़े होने से विद्यालय परिसर हरा-भरा और सुंदर बनेगा। साथ ही, इससे पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज लगाए गए पौधे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण की नींव बनेंगे।

इस अवसर पर शिवांगी, खुशबू, सृष्टि, प्रतिमा, सीमा, रुचि, अंजलि, पुष्पा, संध्या, नाजनीन, रविंद्र, जयहिंद, खुशबू निषाद समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

उद्योग बंधु की बैठक में स्वरोजगार योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में मंगलवार देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में उद्योग बंधु की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सीएम युवा उद्यमी विकास योजना एवं मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की प्रगति की समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने संबंधित बैंकों को निर्देशित किया कि दोनों योजनाओं के तहत अधिक से अधिक पात्र युवाओं को लाभान्वित करते हुए ऋण वितरण की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। जिन आवेदन पत्रों में वर्गीकरण की कार्रवाई पूरी हो चुकी है, उनका भौतिक सत्यापन कराने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे अधिक से अधिक युवा स्वरोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

बैठक में सतहरिया औद्योगिक क्षेत्र में लो-वोल्टेज की समस्या का मुद्दा भी उठाया गया। विद्युत विभाग के अधिकारी ने बताया कि संबंधित समस्या का निस्तारण करा दिया गया है, जिस पर सीड़ा के उद्यमियों ने सहमति व्यक्त की।

इसके अलावा जिलाधिकारी ने निवेश मित्र पोर्टल की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों एवं लंबित प्रकरणों का समयबद्ध और पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि उद्यमियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

औद्योगिक क्षेत्र सीड़ा में पार्क की साफ-सफाई के लिए आवश्यक कार्रवाई करने तथा धारा-80 के अंतर्गत उप जिलाधिकारी केराकत को मेसर्स गोयनका होंडा के विस्तार संबंधी कार्रवाई प्राथमिकता के आधार पर करने के निर्देश दिए गए। बैठक में उपायुक्त उद्योग आशुतोष सहाय पाठक, सहायक श्रमायुक्त देवव्रत यादव, सहायक आयुक्त उद्योग जय प्रकाश, एलडीएम भानू प्रकाश दुबे सहित विभिन्न औद्योगिक संगठनों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एफएलएन प्रशिक्षण में बीएसए समीर ने शिक्षकों से पूछे सवाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। करंजाकला स्थित ब्लॉक संसाधन केंद्र पर चल रहे एफएलएन (Foundational Literacy and Numeracy) प्रशिक्षण का मंगलवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर ने जायजा लिया। उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल शिक्षकों से संवाद करते हुए एफएलएन से जुड़े विभिन्न विषयों पर सवाल पूछकर उनकी समझ को परखा और प्रशिक्षण की प्रगति की जानकारी ली।

बीएसए समीर ने कहा कि बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान बच्चों की मजबूत शैक्षिक नींव के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने शिक्षकों से प्रशिक्षण में सीखी जा रही गतिविधियों एवं शिक्षण विधियों को विद्यालयों में प्रभावी ढंग से लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बच्चों में पढ़ने, लिखने और गणितीय समझ विकसित करने के लिए गतिविधि आधारित एवं रुचिकर शिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने शिक्षकों को प्रशिक्षण के उद्देश्यों के अनुरूप विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करने तथा बच्चों की बुनियादी दक्षताओं को मजबूत करने पर जोर दिया। इस अवसर पर विंध्यवासिनी उपाध्याय, एआरपी निलेश उपाध्याय, सुरेश मौर्य एवं वीरेंद्र सिंह सहित प्रशिक्षण में शामिल शिक्षक एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

महुली में बदहाल सड़क से ग्रामीण परेशान, कीचड़ में तब्दील हुआ संपर्क मार्ग

महुली,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। गांव में पितरम गौड़ के घर से इंद्रदेव कन्नौजिया के घर तक जाने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग इन दिनों बदहाल है। लगातार बारिश के चलते सड़क पूरी तरह कीचड़ और दलदल में तब्दील हो गई है। इससे ग्रामीणों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है और आए दिन फिसलकर गिरने का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों के मुताबिक, इसी मार्ग से होकर बड़ी संख्या में लोग सरकारी राशन की दुकान पर खाद्यान्न लेने जाते हैं। सड़क की खराब स्थिति के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं राशन की दुकान पर खाद्यान्न पहुंचाने वाले ट्रक भी कीचड़ में फंस जा रहे हैं, जिससे राशन आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है।

राशन लेने जाने में बढ़ी दिक्कत, खाद्यान्न लदे ट्रक भी कीचड़ में फंस रहे; ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग उठाई

ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की स्थिति खराब है, लेकिन अब तक इसकी मरम्मत या निर्माण के लिए कोई ठोस पहल नहीं की गई। बारिश के दिनों में समस्या और गंभीर हो जाती है। उन्होंने संबंधित विभाग एवं उच्चाधिकारियों से मौके का निरीक्षण कराकर सड़क का शीघ्र निर्माण कराने तथा तब तक रास्ते को आवागमन योग्य बनाने की मांग की है। इस दौरान राजकपूर कन्नौजिया, इंद्रदेव कन्नौजिया, विनय कुमार कन्नौजिया, देवनाथ, पितरम गौड़ समेत दर्जनों ग्रामीणों ने सड़क की समस्या का जल्द समाधान कराने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि समय रहते सड़क दुरुस्त नहीं हुई तो बरसात में उनकी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

इंदौर जोन 4 के डीसीपी सुनील मेहता हुए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर जोन -4 डीसीपी कार्यालय समाजवादी नगर में स्थित है। इस जोन के अंतर्गत जूनी इंदौर, रावजी बाजार, भंवर कुआं, अन्नपूर्णा, द्वारकापुरी , चंदन नगर, सराफा, पंढरीनाथ और छत्रीपुरा जैसे थाने आते हैं। इन नौ थानों के डीसीपी थे । भोपाल से सोमवार रात जारी आदेश में सुनील मेहता को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की अनुमति दी गई है। उन्होंने 1 जून 2026 को शासन को पत्र लिखकर पारिवारिक कारणों के चलते सेवानिवृत्ति देने का अनुरोध किया था। उन्होंने 31 अगस्त तक इसकी अनुमति दिए जाने की मांग की थी।भोपाल से सोमवार रात जारी आदेश में सुनील मेहता को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की अनुमति दी गई है। उन्होंने 1 जून 2026 को शासन को पत्र लिखकर पारिवारिक कारणों के चलते सेवानिवृत्ति देने का अनुरोध किया था। उन्होंने 31 अगस्त तक इसकी अनुमति दिए जाने की मांग की थी। पुलिस विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि सेवानिवृत्ति के बाद एक साल तक सुनील मेहता किसी भी व्यावसायिक पद पर नियुक्त नहीं हो सकेंगे। उनका सेवाकाल करीब दो साल से अधिक बचा हुआ था।

बाजार में उतरे नंदलाल, खरीदारी में डूबी काशी

मुकुट-मोरपंख से लेकर जरीदार पोशाक और नक्काशीदार झूलों तक की धूम, दुकानों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़; 4 सितंबर को जन्माष्टमी, बाजार में 10 करोड़ के कारोबार की उम्मीद

-सुरेश गांधी

वाराणसी. श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की आहट के साथ ही काशी के बाजारों में कान्हा की बाल लीलाओं का रंग उतर आया है। चौक, गोदौलिया, लंका, लक्सा, विशेश्वरगंज, चौखंभा और ठठेरी बाजार समेत प्रमुख बाजारों में लड्डू गोपाल के श्रृंगार और जन्मोत्सव से जुड़ी सामग्री की दुकानें सज गई हैं। श्रद्धालु अपनी पसंद और सामर्थ्य के अनुसार कान्हा के लिए पोशाक, मुकुट, मोरपंख, बांसुरी, आभूषण और झूले खरीदने में जुटे हैं। उधर, मंदिरों से लेकर मोहल्लों तक तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। बाजार में भगवान श्रीकृष्ण की सुंदर पोशाकें, मोर मुकुट, बांसुरी, झूले और लड्डू गोपाल की मूर्तियां लोगों को खूब पसंद आ रही हैं.

इस बार बाजार में पारंपरिक सामग्री के साथ डिजाइनर श्रृंगार का भी खास आकर्षण है। साधारण सूती और रेशमी पोशाकों से लेकर जरी, गोटा-पत्ती और कुंदन कारीगरी वाली पोशाकें उपलब्ध हैं। लड्डू गोपाल के लिए लकड़ी, धातु, पीतल और मखमली नक्काशीदार झूलों की भी खूब मांग है। झूलों की कीमत आकार, धातु और सजावट के अनुसार करीब 100 रुपये से 5000 रुपये तक पहुंच रही है।

जन्माष्टमी इस वर्ष 4 सितंबर को मनाई जाएगी। काशी में उत्सव का उल्लास बाजार से घरों और मंदिरों तक पहुंच चुका है। कहीं छोटे से पालने में बाल गोपाल विराजेंगे तो कहीं भव्य झांकियों में कृष्ण की बाल लीलाएं जीवंत होंगी। बाजार की चहल-पहल बता रही है कि इस बार

जन्माष्टमी केवल पूजा का पर्व नहीं, बल्कि आस्था, परंपरा और बाजार की रौनक का भी बड़ा उत्सव बनने जा रही है। वाराणसी में कारोबारी संगठनों के अनुमान के अनुसार जन्माष्टमी से दो दिनों में 10 करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार की उम्मीद है।

वृंदावन और मथुरा की छाप भी काशी के बाजार में साफ दिखाई दे रही है। जरीदार पगड़ी, मोती जड़ी अचकन और ब्रज शैली के मुकुट श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहे हैं। मंदिरों और घरों की सजावट के लिए फूलों, झालरों, कृत्रिम पुष्पों, पालने और झांकी सजाने की सामग्री की भी मांग बढ़ी है।

घर -घर सजेगा कान्हा का दरबार

बाजार में सिर्फ लड्डू गोपाल के श्रृंगार की सामग्री ही नहीं, बल्कि बच्चों को कान्हा स्वरूप में सजाने के लिए पोशाक, मुकुट और बांसुरी के सेट भी उपलब्ध हैं। पूजन सामग्री की दुकानों पर पंचामृत, तुलसी दल, माखन-मिश्री, धूप-दीप, फूल और भोग सामग्री की खरीदारी तेज हो गई है।

कढ़ाई-बुनाई के हिसाब से प्राइज

दुकानदार ने बताया कि इस बार श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर बाजारों में अनेक प्रकार की वैरायटी उपलब्ध है. ठाकुर जी के लिए अच्छी सुंदर आकर्षक दिखने वाली पोशाक तैयार कराई गई हैं और सभी साइज के पोशाक मिल जाते हैं. जिस प्रकार से पोशाक में कढ़ाई-बुनाई का काम बारीकी के साथ होता है उसकी कीमत उतनी बढ़ती जाती है.

झूले पर भगवान की सुंदर मूर्ति

दुकानदार ने बताया कि इस बार बाजारों में माखन की हांडी, बांसुरी श्रद्धालुओं के डिमांड के अनुसार मंगवाई गई है. बर्थडे ड्रेस की बात की जाए तो सफेद कलर की पोशाक खूब पसंद आ रही, क्योंकि हर रोज तो ठाकुर जी मल्टी कलर की पोशाक पहनते हैं लेकिन जन्म उत्सव के दिन सफेद कलर की पोशाक का एक अलग ही लुक सामने निकलकर आता है. इस बार सफेद कलर की पोशाक बृजवासियों को खूब भा रही है. मथुरा-वृंदावन से आई पोशाकों के साथ मोर पंख, कुंदन और फूलों से सजे श्रृंगार के सामान की भी अच्छी मांग है। दुकानदारों ने बताया कि इस बार मोर पंखों वाली पोशाकें और नए डिजाइन के झूले लोगों को ज्यादा पसंद आ रहे हैं। वहीं ग्राहको ने बताया कि ठाकुर जी के लिए अनेक प्रकार की पोशाक खरीदी हैं. झूले में कई प्रकार की वैरायटी दुकानों पर उपलब्ध है. ठाकुर जी का उत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाएंगे.

शिविर में 196 नागरिकों को मिली सुविधा, आधार की गलतियां भी मौके पर हुई दुरुस्त

मुंबई। ब्राह्मण सेवा संघ, मुंबई की ओर से सोमवार को अंधेरी (पूर्व) के ओल्ड नागरदास रोड स्थित संस्था कार्यालय परिसर में लगाए गए विशेष शिविर में नागरिकों को कई सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर का 196 नागरिकों ने लाभ उठाया। शिविर में 56 नए राशन कार्ड, 96 आयुष्मान कार्ड और 15 राशन स्मार्ट कार्ड बनाए गए। वहीं, आधार कार्ड में नाम, पता सहित अन्य विवरणों में त्रुटि वाले नागरिकों के दस्तावेज भी मौके पर दुरुस्त किए गए। सीनियर सिटीजन कार्ड से संबंधित सुविधाएं भी शिविर में उपलब्ध कराई गईं। शिविर के आयोजक व ब्राह्मण सेवा संघ, मुंबई के संस्थापक अध्यक्ष इंद्रसेन उपाध्याय ने बताया कि क्षेत्र के नागरिक लंबे समय से मांग कर रहे थे कि आधार कार्ड बनवाने और उसमें सुधार कराने की सुविधा उनके आसपास ही उपलब्ध कराई जाए। खासकर बुजुर्गों और जरूरतमंद लोगों को दस्तावेजी काम के लिए दूर जाने में परेशानी होती थी। नागरिकों की इसी मांग को देखते हुए संस्था की ओर से शिविर आयोजित किया गया। उपाध्याय ने कहा कि संस्था का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को सरकारी सुविधाओं का लाभ दिलाने के साथ-साथ उनके दस्तावेज संबंधी कार्यों में सहयोग करना है। स्थानीय स्तर पर शिविर लगने से नागरिकों को समय और मेहनत दोनों की बचत हुई। शिविर का उद्घाटन विधायक मुरजी पटेल ने किया। इस अवसर पर एड. टीएन शर्मा, संस्था के पूर्व अध्यक्ष रामजी पांडेय, साहबलाल चौबे, विकास मिश्रा, प्रवेश मिश्रा, शैलेन्द्र त्रिपाठी, संदीप दुबे, अजय सोंलकी, बनारसी दुबे, शैलेन्द्र त्रिपाठी शुक्ला, नितेश तिवारी, कृष्णा तिवारी, मंजू शुक्ला, सरिता दुबे और सीमा पांडे सहित संस्था के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राइफल शूटिंग में सिल्वर मेडल जीतने पर राज्यमंत्री ने सपना विश्वकर्मा को किया सम्मानित

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में प्रदेश के राज्यमंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने गोरखपुर के नेवास बड़गहन गांव में सुधाकर विश्वकर्मा के आवास पर पहुंचकर उनकी पुत्री सपना विश्वकर्मा को सम्मानित किया और हार्दिक बधाई दी। सपना ने नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है।राज्यमंत्री ने कहा कि सपना की इस उपलब्धि ने न केवल परिवार बल्कि पूरे विश्वकर्मा समाज और जनपद गोरखपुर का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर राष्ट्रीय मंच पर पदक जीतना आसान नहीं है, इसके लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण की आवश्यकता होती है।सपना की मेहनत, लगन और प्रतिभा निश्चित रूप से क्षेत्र के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। राज्यमंत्री ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आश्वस्त किया कि सरकार प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को हर स्तर पर सहयोग प्रदान कर रही है।

ऑडी इंडिया ने ऑल-न्यू ऑडी Q3 की बुकिंग शुरू की

मुंबई। जर्मन लग्जरी कार निमार्ता ऑडी ने आज भारत में अपनी नई 'ऑडी Q3' की बुकिंग शुरू करने की घोषणा की है। ग्राहक 1,00,000 रुपये की शुरूआती टोकन राशि के साथ इस एसयूवी को बुक कर सकते हैं। बुकिंग ऑडी इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट, 'माईऑडी कनेक्ट' ऐप या देशभर में स्थित अधिकृत डीलरशिप से कराई जा सकती है। ऑडी इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा, आज का दिन हमारे लिए खास है, क्योंकि हम नई ऑडी Q3 की बुकिंग शुरू कर रहे हैं। नई ऑडी Q3 उन सभी खूबियों को एक साथ लाती है जो आज का ऑडी ग्राहक चाहता है: बोल्ड और आधुनिक डिजाइन, बेहतरीन तकनीक, दमदार परफॉर्मेंस और रोजमर्रा की उपयोगिता। यह हर तरह से ऑडी ही है, फिर भी ज्यादा मुखर, ज्यादा सहज और हमारे ग्राहकों की आज की जीवनशैली से ज्यादा जुड़ी हुई है। नई Q3 को लेकर ग्राहकों में गहरी दिलचस्पी देखने को मिली है, और बुकिंग की शुरूआत हमारे एसयूवी पोर्टफोलियो को लगातार मजबूत करने की कोशिश में एक अहम पड़ाव है। नई ऑडी Q3 बोल्ड डिजाइन, आत्मविश्वास भरे प्रदर्शन और रोजमर्रा की व्यावहारिक सुविधाओं का उत्कृष्ट संयोजन प्रस्तुत करती है, जो ऑडी की 'Q' रेंज में इसकी जगह और मजबूत करेगी। दमदार 2.0-लीटर पेट्रोल इंजन से लैस नई ऑडी Q3 में ऑडी की प्रसिद्ध 'क्वाट्रो' ऑल-व्हील ड्राइव तकनीक के साथ-साथ सेगमेंट-फर्स्ट (श्रेणी में पहली बार दिए जाने वाले) कई अत्याधुनिक फीचर्स भी शामिल होंगे।

टाटा क्लिक पर मनीष मल्होत्रा की एम कलेक्शन ज्वेलरी लॉन्च

मुंबई। टाटा क्लिक लक्जरी ने 'द एम कलेक्शन' को अपने प्लेटफॉर्म पर लॉन्च करने के लिए मनीष मल्होत्रा फाईन ज्वेलरी के साथ एक खास पार्टनरशिप की घोषणा की है। इसके जरिए, देश भर में टाटा क्लिक लक्जरी के समझदार ग्राहकों के लिए इस ब्रांड की बेहतरीन ज्वेलरी उपलब्ध कराई जाएगी। तीन दशकों से ज्यादा समय से, मनीष मल्होत्रा ने भारतीय लग्जरी की एक अलग पहचान बनाई है, जो कारीगरी, मॉडर्न ग्लैमर और भारतीय कला के जश्न पर आधारित है। जैसे-जैसे यह ब्रांड फैशन और ज्वेलरी के क्षेत्र में आगे बढ़ा है, इसके डिजाइन का अंदाज भी नए-नए रूपों में सामने आया है। 'मनीष मल्होत्रा फाइन ज्वेलरी' के साथ, यह दुनिया ऐसी ज्वेलरी तक फैली है जो कीमती होने के साथ-साथ पर्सनल भी है, और जिसे पहनने का अंदाज मॉडर्न और सहज है। एम कलेक्शन को रोजाना पहनी जाने वाली बेहतरीन ज्वेलरी के तौर पर तैयार किया गया है। इसमें ब्रांड के मशहूर 'एम' लोगो को एक ऐसे खास डिजाइन में बदला गया है जिसे हर दिन और हर तरह से पहना जा सकता है। गोपाल अस्थाना, सीईओ, टाटा क्लिक लग्जरी ने कहा, हमें टाटा क्लिक लग्जरी पर खास तौर पर मनीष मल्होत्रा का पहला ऑनलाइन फाइन ज्वेलरी बुटीक लॉन्च करते हुए बहुत खुशी हो रही है।

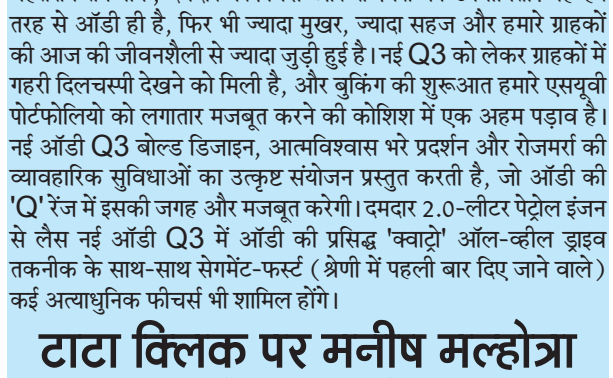

भाजपा की प्रदेश वर्किंग कमेटी बैठक सम्पन्न, वसई-विरार के पदाधिकारियों ने लिया हिस्सा

पुणे। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश वर्किंग कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक पुणे में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेशभर से भाजपा के विधायक, वरिष्ठ नेता एवं विभिन्न पदाधिकारी शामिल हुए। वसई-विरार क्षेत्र से भी पार्टी के पदाधिकारियों ने बैठक में उपस्थित होकर संगठनात्मक गतिविधियों में सहभागिता दर्ज कराई। बैठक स्थल पर पहुंचे सभी आमदारों एवं पदाधिकारियों ने रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान आगामी राजनीतिक चुनौतियों, संगठन को मजबूत करने तथा पार्टी की गतिविधियों को जमीनी स्तर तक अधिक प्रभावी बनाने को लेकर चर्चा की गई। नालासोपारा विधायक राजन नाईक ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की असली ताकत उसका मजबूत संगठन होता है। आने वाले समय की चुनौतियों और नए अवसरों को देखते हुए यह प्रदेश वर्किंग कमेटी बैठक भाजपा संगठन को और अधिक सक्षम, गतिशील एवं प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के विचारों और अनुभवों को एक मंच पर लाकर संगठन को नई ऊर्जा देने का कार्य इस बैठक के माध्यम से किया जा रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ता विचारों के लिए एक साथ, संगठन के लिए प्रतिबद्ध और जीत के लिए पूरी तरह तैयार रहें। उन्होंने संगठन की मजबूती, अनुशासन और आगामी राजनीतिक रणनीति पर जोर दिया। प्रदेश वर्किंग कमेटी की इस बैठक में संगठनात्मक विस्तार, कार्यकताओं की सक्रियता तथा आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। वसई-विरार के पदाधिकारियों की सहभागिता से स्थानीय संगठन में भी नई ऊर्जा और उत्साह देखने को मिला।

संस्कृत विद्यालय के संस्थापक व्याकरणाचार्य पंडित राज नारायण मिश्र का निधन

जौनपुर। जनपद के महराजगंज थाना क्षेत्र के कोल ग्रामसभा निवासी एवं श्री उमा महेश्वर संस्कृत महाविद्यालय के संस्थापक व पूर्व प्रधानाचार्य, महान विद्वान व्याकरणाचार्य पं. राज नारायण मिश्र का 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।उनके पुत्र डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्र ने बताया कि पं. राज नारायण मिश्र का वाराणसी स्थित एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हुआ। वह अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन से क्षेत्र ने शिक्षा और संस्कृत के क्षेत्र में अपना एक बड़ा विद्वान खो दिया है।

पं. राज नारायण मिश्र ने शिक्षा के क्षेत्र में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने मिजार्पुर में संस्कृत विद्यालय के प्रधानाचार्य पद पर कार्य किया, लेकिन क्षेत्र के विकास और ग्रामीण अंचल में बेहतर संस्कृत शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नौकरी छोड़कर अपने पैतृक गांव लौट आए। इसके बाद उन्होंने श्री उमा महेश्वर संस्कृत विद्यालय की नींव रखी। विद्यालय की स्थापना के बाद उन्होंने उसके विकास, मान्यता दिलाने तथा पठन-पाठन की गुणवत्ता बेहतर बनाने के लिए दिन-रात अथक प्रयास किया। शिक्षा के प्रति उनका समर्पण ऐसा था कि 95 वर्ष की उम्र में भी वह छात्रों को व्याकरण के गुण और संस्कृत शिक्षा की बारीकियां सिखाते रहे।उनके निधन को क्षेत्र के लोगों ने शिक्षा और संस्कृत जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया। लोगों का कहना है कि पं. राज नारायण मिश्र का जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। उनके जाने से एक ऐसे युग का अंत हुआ है, जिसने संस्कृत शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

वसई-विरार में पूर्व सांसद किरीट सोमैया का दौरा

वसई-विरार। पूर्व सांसद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता किरीट सोमैया ने मंगलवार को वसई-विरार क्षेत्र का दौरा कर शहर से जुड़े विभिन्न सिविल, प्रशासनिक और कानून-व्यवस्था के मुद्दों की समीक्षा की। दौरे के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ क्षेत्र की मौजूदा समस्याओं और उनके समाधान को लेकर विस्तृत चर्चा की। सोमैया ने सबसे पहले नालासोपारा डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त तथा बोलिंज पुलिस स्टेशन का दौरा किया। इस दौरान क्षेत्र की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर अधिकारियों के साथ विस्तार से बातचीत की गई। उन्होंने आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई करने, अपराध पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाने तथा आम नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग की। इसके बाद किरीट सोमैया ने वसई-विरार शहर महानगरपालिका के आयुक्त से मुलाकात कर शहर के विभिन्न नागरिक एवं प्रशासनिक मुद्दों पर चर्चा की। विशेष रूप से उन्होंने कचरा घोटाले की तत्काल जांच कराने की मांग उठाई। उनका कहना था कि जांच में यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। दौरे के दौरान भाजपा के नगरसेवकों के साथ भी बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्थानीय नागरिकों की समस्याओं, लंबित विकास कार्यों, विभिन्न नागरिक सुविधाओं से जुड़े मुद्दों तथा उनके प्रभावी फॉलो-अप पर चर्चा हुई। किरीट सोमैया के इस दौरे में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने, पारदर्शी प्रशासन, भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था और नागरिकों की मूलभूत समस्याओं के प्रभावी समाधान पर विशेष जोर दिया गया। भाजपा नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने कहा कि वसई-विरार के नागरिकों से जुड़े मुद्दों को संबंधित प्रशासन के समक्ष लगातार उठाकर उनके समाधान के लिए प्रयास जारी रहेंगे।

वसई-विरार में पूर्व सांसद किरीट सोमैया का दौरा

वसई-विरार। पूर्व सांसद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता किरीट सोमैया ने मंगलवार को वसई-विरार क्षेत्र का दौरा कर शहर से जुड़े विभिन्न सिविल, प्रशासनिक और कानून-व्यवस्था के मुद्दों की समीक्षा की। दौरे के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ क्षेत्र की मौजूदा समस्याओं और उनके समाधान को लेकर विस्तृत चर्चा की। सोमैया ने सबसे पहले नालासोपारा डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त तथा बोलिंज पुलिस स्टेशन का दौरा किया। इस दौरान क्षेत्र की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर अधिकारियों के साथ विस्तार से बातचीत की गई। उन्होंने आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई करने, अपराध पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाने तथा आम नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग की। इसके बाद किरीट सोमैया ने वसई-विरार शहर महानगरपालिका के आयुक्त से मुलाकात कर शहर के विभिन्न नागरिक एवं प्रशासनिक मुद्दों पर चर्चा की। विशेष रूप से उन्होंने कचरा घोटाले की तत्काल जांच कराने की मांग उठाई। उनका कहना था कि जांच में यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। दौरे के दौरान भाजपा के नगरसेवकों के साथ भी बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्थानीय नागरिकों की समस्याओं, लंबित विकास कार्यों, विभिन्न नागरिक सुविधाओं से जुड़े मुद्दों तथा उनके प्रभावी फॉलो-अप पर चर्चा हुई। किरीट सोमैया के इस दौरे में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने, पारदर्शी प्रशासन, भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था और नागरिकों की मूलभूत समस्याओं के प्रभावी समाधान पर विशेष जोर दिया गया। भाजपा नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने कहा कि वसई-विरार के नागरिकों से जुड़े मुद्दों को संबंधित प्रशासन के समक्ष लगातार उठाकर उनके समाधान के लिए प्रयास जारी रहेंगे।

गंगा चेतावनी रेखा पार, ठहरी रफ्तार ने बढ़ाई मुश्किलें

वाराणसी। गंगा का मिजाज मंगलवार को भी तल्ख रहा। लगातार बारिश और ऊपर से आ रहे पानी के बीच राजघाट स्थित केंद्रीय जल आयोग के गेज पर शाम चार बजे गंगा का जलस्तर 70.29 मीटर दर्ज किया गया। यह 70.262 मीटर की चेतावनी रेखा से 2.8 सेंटीमीटर ऊपर है, जबकि खतरे के निशान 71.262 मीटर से अभी 97.2 सेंटीमीटर नीचे है। हालांकि शाम चार बजे जलस्तर की रफ्तार स्थिर (स्टीडी) रही। दिनभर तड़तड़ाती गरज-चमक के साथ बारिश ने तटवर्ती इलाकों की चिंता बढ़ाए रखी। इसी बीच पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल और जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने बाढ़ की जमीनी तस्वीर देखने के लिए एनडीआरएफ की नाव से गंगा-वरुणा के बाढ़ प्रभावित इलाकों का तूफानी दौरा किया। नमो घाट से निकले

अधिकारी गंगा-वरुणा के संगम आदि केशव घाट से आगे बढ़े और सलारपुर, सरैया, कोनिया, पुल कोहना, ढेलवरिया, सराय मोहना समेत प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। जलभराव, तटवर्ती आबादी और राहत-बचाव की तैयारियों को परखा तथा स्थानीय लोगों से सीधे संवाद कर सुविधाओं की जानकारी ली। अधिकारियों ने प्रभावित लोगों को भरोसा दिलाया कि दैवी आपदा की इस घड़ी में प्रशासन उनके साथ खड़ा है। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को अलर्ट मोड में रखते हुए प्रभावित क्षेत्रों में निरंतर निगरानी और जरूरत पड़ने पर लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। राहत एवं बचाव के लिए नाव और अन्य संसाधन पर्याप्त रखने को कहा गया। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने प्राथमिक विद्यालय सलारपुर और विद्या विहार इंटर कॉलेज सलारपुर, रसूलगढ़ स्थित राहत शिविरों का निरीक्षण किया। शिविरों में भोजन, पेयजल, बिजली, प्रकाश, शौचालय, स्वच्छता और स्वास्थ्य सुविधाओं की पड़ताल की। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की जरूरतों पर विशेष ध्यान देने तथा नियमित स्वास्थ्य जांच और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। सुरक्षा के मद्देनजर राहत शिविरों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश भी दिया गया।

सनातन संस्कृति की नई पीढ़ी तैयार कर रही निमाई पाठशाला

मुंबई। सनातन संस्कृति, श्रीकृष्ण भक्ति और भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं से बच्चों को जोड़ने के उद्देश्य से संचालित निमाई पाठशाला का भव्य विशेष सत्र 29 अगस्त 2026 को दादर पूर्व स्थित योगी सभागृह में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में बच्चे एवं अभिभावक उपस्थित रहे और पूरा सभागृह हरिनाम संकीर्तन एवं भक्ति भाव से गूंज उठा। निमाई पाठशाला का संचालन राधारमण मंदिर के सेवाहित गोसाई जी, पूज्य श्री पुंडरीक गोस्वामी जी की धर्मपत्नी श्रीमती रेणुका गोस्वामी जी द्वारा किया जा रहा है। उनका उद्देश्य बच्चों को केवल धार्मिक शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि उन्हें भारतीय संस्कृति, संस्कार, शास्त्र और भक्ति की गहरी समझ प्रदान करना है। निमाई पाठशाला के माध्यम से बच्चों को शास्त्र, स्तोत्र, सूत्र, हरिनाम संकीर्तन तथा सनातन धर्म की मूल शिक्षाओं का ज्ञान दिया जाता है। श्रीमती रेणुका गोस्वामी जी बच्चों को सरल एवं सहज तरीके से धर्म और संस्कृति का महत्व समझाती हैं तथा उन्हें अपनी जड़ों, संस्कारों और आध्यात्मिक परंपराओं से जुड़ने के लिए प्रेरित करती हैं। सबसे विशेष बात यह है कि यह शिक्षा निःशुल्क

रूप से प्रदान की जाती है, जिसके माध्यम से असंख्य बच्चे निरंतर ज्ञान एवं संस्कार प्राप्त कर रहे हैं। निमाई पाठशाला आज बच्चों के बीच भारतीय संस्कृति और भक्ति के संस्कारों को पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। 29 अगस्त को आयोजित इस विशेष सत्र में हजारों की संख्या में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हरिनाम संकीर्तन, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण ने बच्चों और अभिभावकों को भावविभोर कर दिया। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ संकीर्तन में भाग लिया और मैया के इस विशेष सत्र का आनंद लिया। निमाई पाठशाला का यह प्रयास आज के समय में विशेष महत्व रखता है, जब बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ अपनी संस्कृति, संस्कार और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ना भी आवश्यक है। श्रीमती रेणुका गोस्वामी जी का यह प्रयास आने वाली पीढ़ी को सनातन संस्कृति का ज्ञान और उसके प्रति सम्मान प्रदान करने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। निमाई पाठशाला का संदेश स्पष्ट है- बच्चों को ज्ञान के साथ संस्कार दें. संस्कारों के साथ संस्कृति से जोड़ें और संस्कृति के माध्यम से उन्हें अपनी आध्यात्मिक जड़ों से परिचित कराएं।

तीन वर्षों से बनकर तैयार बीएमसी अस्पताल, फिर भी शुरू होने का इंतजार क्यों?

मुंबई। चांदिवली स्थित म्हाडा कॉलोनी में पिछले लगभग तीन वर्षों से बीएमसी अस्पताल बनकर तैयार है, लेकिन अब तक इसे आम जनता के लिए शुरू नहीं किया गया है। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार इस अस्पताल का लाभ क्षेत्र के नागरिकों को कब मिलेगा, यह सवाल आज भी बना हुआ है। अस्पताल शुरू नहीं होने को लेकर स्थानीय नागरिकों में भी नाराजगी देखी जा रही है। इसी गंभीर जनहित के मुद्दे को लेकर समाजसेवक सुखबिंदर सिंह ने अस्पताल को जल्द से जल्द शुरू करने की मांग उठाई है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को पत्र देकर अस्पताल को तत्काल शुरू करने तथा आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। इसी क्रम में 29 अगस्त 2026 को वार्ड क्रमांक 158 की नगरसेविका श्रीमती चित्रा सोमनाथ सांगले को पत्र सौंपकर बीएमसी अस्पताल को शीघ्र शुरू करने की मांग की गई। इसके बाद 31 अगस्त 2026 को बीएमसी 'एल' विभाग के सहायक आयुक्त अनिल जाधव, वैद्यकीय आरोग्य अधिकारी डॉ. सतीश बडगिरे तथा प्रभाग समिति अध्यक्ष विजयेंद्र (विजू) शिंदे को भी पत्र सौंपा गया। समाजसेवक सुखबिंदर सिंह ने कहा कि जनता के पैसों से तैयार हुआ अस्पताल वर्षों तक बंद रहना बेहद गंभीर और चिंताजनक विषय है। चांदिवली और आसपास के नागरिकों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाए गए इस अस्पताल को अब और अधिक समय तक बंद नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि अस्पताल को शुरू करने में यदि किसी प्रकार की तकनीकी, प्रशासनिक या अन्य बाधा है, तो उसे तत्काल दूर किया जाए और अस्पताल को पूरी आवश्यक सुविधाओं के साथ जनता की सेवा में समर्पित किया जाए। जनता का सीधा सवाल है कि जब बीएमसी अस्पताल बनकर तैयार है, तो आखिर इसे शुरू क्यों नहीं किया जा रहा है? क्षेत्र के नागरिकों को अब आश्वासन नहीं, बल्कि अस्पताल के वास्तविक रूप से शुरू होने का इंतजार है।